

सच्चाई से सबर

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष: 11 अंक: 103

जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, शुक्रवार, 09 अक्टूबर 2026

मूल्य: 4 रुपए

पृष्ठ: 08

नाना पाटेकर का निधन

आखिरी वीडियो में ड्रम बजाते दिखे

4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूं या नहीं; गोवा में अंतिम दर्शन

एजेन्सी

प्रधानमंत्री ने श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री नेन्द्र मोदी ने जाने-माने अभिनेता नाना पाटेकर के निम्न पर गुस्सा को शोक व्यक्त कर रहे हुए कहा कि उन्होंने ऐसे किस्वर नक़ाफ़ा, जिन्हें पोटियाँ तक याद रखा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पाटेकर को "कमिवाँर" बताते हुए कहा कि अभिनेता ने इसी नाम की अपरिचालित के ज़रिए समाज में व्याप्त दुश्चाली पर कड़ा धरिया किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया में कहा, "बहुत कम अभिनेताओं अभिनय की ग़रज़ी, विशिष्टता मिलती है। उन्होंने अपनी हर भूमि रचनानामकता दिखाई तथा ऐसे याद रखा जाएगा।"



नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्मों कीं। 1989 की फिल्म 'परिदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। 1994 की 'ब्राह्मदेवी' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। 1996 की 'अग्निवाकशी' के लिए भी उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। उस तरह उन्हें राष्ट्रीय जीवन में 3 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अपने लंबे फिल्मी जीवन में उन्होंने हिंदी के साथ मराठी फिल्मों में भी काम किया।

ज्ञानेश कुमार के समर्थन में 42 पूर्व न्यायाधीशों का पत्र

एसआईआर को सही बताया

लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं

एजेन्सी

नई दिल्ली । चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व न्यायाधीशों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की।

पूर्व न्यायाधीशों ने एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को भी सही बताया है।

पत्र में चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर न्यायाधीशों ने कहा कि इनके समर्थन में सबूत नहीं दिए गए हैं बिना सबूत संवैधानिक संस्थाओं

पत्र में पूर्व न्या

- चुनावों को अवैध ठहराने के और अराजक तत्वों को प्रोत्सा
- चुनाव कराने वाले अधिकारियों को सत्ता बदलने के बाद बदला
- सामाजिक कार्यकर्ताओं के स

पर हमले चुनावी प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कमजोर कर सकते हैं।

कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी की कड़ी आलोचना की

इस खुले पत्र में पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश हेमंत गुप्ता और न्यायाधीश पंकज मिश्र के भी हस्ताक्षर हैं। पत्र में लिखा है— वही हरीश को आरोप अत्याचारों में नोट, बल्कि संवाददाता सम्मेलन में लगाए जाते हैं। जब आयोग श्रांति पत्र मानता है, तो कोई दण्ड नहीं किया जाता। दूसरीपक्ष को हार के बाद ही दोषी ठहराया जाता है। उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर कोई खयाल नहीं उठता। जहाँ एक पक्ष पार्टी जिसने पांश दसकों से अधिक समय तक इस देश पर शासन किया, अब दावा कर रही है कि जो व्यवस्था उस संता में लायी, वहीं धातवी लाती है।

धीशों के 3 दावे



2000 नागरिक एसआईआर रोकने पत्र लिख चुके

इससे पहले सितंबर में 2,000 से ज्यादा नागरिकों ने एक खुले पत्र में अदालत से एसआईआर रोकने की अपील की थी। उन्होंने इसकी वैधता और प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच होने तक अभियान रोकने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को लिखे पत्र में हस्ताक्षर करने वालों ने मतदाता सूची के प्रबंधन और ईसीआईएनट प्लेटफॉर्म से जुड़ी गड़बड़ियों की दाल की निगरानी में जांच की मांग की थी।

पत्र पर दस्तखत करती वाईस पंचू नर्सना प्रमुख एडमिरल विष्णु नाथजी आदीएसस अधिकांशता शमिल थे। मेहता, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, वित्तसुधार आडित्स मुखर्जी और अभिनेता प्रकाश राज सहित शिक्षाविद, वकील, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। पत्र-चार्याधीनशे ने पत्र में मुनवा चुनाव आउतु को 'कंप्युली', 'चोर' और 'सम्झदाती क चुके व्यति' कहकर निशाना बनाए पर भी आपति जनाई। इन्होंने अभियान को निहत राजनीतिक हितों से प्रेरित बताया और कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को अलोचना करना अधिकार है, लेकिन उन्हे बदनाम करना लोकतांत्रिक मर्यादा नहीं है। पत्र में यह भी कहा गया कि चुनाव आयोग की ओर से मांगा गया साधुत्थ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अब तब प्रस्तुत नहीं किया है।

तदान के अधिकार पर जस्टिस भुइयां का बयान चर्चा में, गवई ने उठाए सवाल

सुप्रिम कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश जस्टिस उज्जल भूय्या का मतदान के अधिकार को लेकर दिया गया भ्रमदायक चर्चा में है। उन्हीने 4 अक्टूबर को नागरिक विधिव्याख्या के आधार पर कहा कि थाली भारतीय नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया मूल न्याय से मनमानी है। इस पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश गॉड से 5 अक्टूबर को कहा कि सुप्रिम कोर्ट के किसी मौजूदा न्यायाधीश को विवादाधीन मामले पर सार्वजनिक दिष्णणी नहीं करनी चाहिए। यह न्यायिक मतदान के खिलाफ है। उन्हीने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के दो संवैधानिक न्यायाधीशों को ऐसा बयान देने से पहले थाली बार सीचना चाहिए था।

एसआईआर और चयन समिति से जुड़ी याचिकाएं लंबित

एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग को भी चयन समिति से संबंधित पर नानुषंगी के वैधता पर भी सुनवाई बाकी है। इस कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त की चयन समिति से देश के मुख्य-यायाधीश को बाहर रखा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 5 अक्टूबर को सुनवाई में संबंधित फैसलों को निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से इनकार किया। हालांकि, चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिन सहमति के लिए गए जाएंगे।

॥ जय श्री महाकाल ॥
पंजीयन क्रमांक 04/उदय/देव/चिल्लीड/1997
Email id : shreejogniyamataashaktipeeth@gmail.com

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
देवि प्रपन्नातिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतो अखिलस्य । प्रसीद विश्वेश्वरि पाहि विश्वं त्वमीश्वरी देवि चराचरस्य ॥

॥ जय श्री बानोड़ा बालाजी ॥
मो. 9001134606, 9928947412, 9828547412
You Tube : jogniyadarshan

श्री जोगणियाँ माता शक्ति पीठ प्रबन्ध एवं विकास संस्थान

जोगणियाँ माताजी, तह. बेगूं जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

शारदीय नवरात्री-धार्मिक महोत्सव

विक्रम संवत् 2083 आश्विन शुक्ल एकम् रविवार दिनांक 11 अक्टूबर 2026 से विक्रम संवत् 2083 आश्विन शुक्ल नवमी मंगलवार दिनांक 20 अक्टूबर 2026 तक ।

घट स्थापना एवं धजा रोहण :- विक्रम संवत् 2083 आश्विन शुक्ल एकम् रविवार दिनांक 11 अक्टूबर 2026 अभिजित मुहूर्त (दोपहर 12.05 बजे)

श्रीमद् देवीभागवत-कथा एवं मूल पारायण (अनुष्ठानात्मक)
समय:- दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक । स्थान:- रामलीला मंथ, श्री जोगणियाँ माताजी

प्रतिदिन कार्यक्रम - सादर आमंत्रण पत्र

सुर्य नारायण एवं गायत्री शक्तिपीठ मन्दिर पर-गायत्री पुरुस्करण, यज्ञ एवं अनुष्ठान

कलश यात्रा :-
दिनांक 11 अक्टूबर 2026
प्रातः 9.15 बजे
वेद विद्यालय के विद्वान पंडितों
एवं बटुकों द्वारा

दैनिक शृंगार राजोपचार
पूजन अर्चन एवं
आरती दर्शन
प्रातः 7 बजे से रात्री 12.00
बजे तक (प्रतिदिन)

पंच कुंडिय महायज्ञ एवं
शतचण्डी पारायण
(पाठात्मक हवननात्मक)
प्रातः 8.30 बजे से सायं 5 बजे
तक (प्रतिदिन) यज्ञ में जोड़ा
बैठकर पुण्य के भागीदार बनें

अखण्ड रामायण पाठ
श्री पवनपुत्र हनुमान जी मन्दिर
एवं श्री खेड़ापति बालाजी
मन्दिर पर (प्रतिदिन)

रामलीला प्रदर्शन
प्रसिद्ध कलाकारों
द्वारा प्रति रात्री 8 बजे से
(नवरात्री समापन तक)

भजन संध्या
पंचम दिवस रात्रि जागरण
दिनांक 15 अक्टूबर 2026
गुरुवार रात्री 10.30 बजे से
(प्रसिद्ध लोक कलाकारों द्वारा)
(रामलीला के बाद)

भजन संध्या सप्तम दिवस रात्रि जागरण
दिनांक 17 अक्टूबर 2026 शनिवार
रात्रि 10.30 बजे से
भारत की प्रसिद्ध विदुषी द्वारा नारी
शक्ति पर प्रस्तुति एवं प्रसिद्ध लोक
कलाकारों द्वारा भजन संध्या
(रामलीला के बाद)

भजन संध्या
दिनांक 18 अक्टूबर 2026 रविवार
अष्टम दिवस महारात्री जागरण
भक्तिमय लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम भारत के
प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भजन संध्या

भजन संध्या
दिनांक 19 अक्टूबर 2026 सोमवार
नवम दिवस रात्रि जागरण
भक्तिमय लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम
प्रसिद्ध लोक कलाकारों द्वारा
(रामलीला के बाद)

नवरात्रि में
भजन
संध्या कराने से
पूर्व संस्थान
कार्यालय से
पूर्व
अनुमति लेना
आवश्यक है।

राम रसोड़ा (भण्डारा)

श्री जोगणियाँ माता जी के भक्तों द्वारा
श्री जोगणियाँ माता भण्डारा भवन में (नवरात्री में)

वेद विद्यालय

वेद विद्यालय के बटुकों द्वारा चतुर्वेद मन्त्रोच्चार
एवं स्तोत्रपाठ प्रतिदिन सायं 07 बजे से 8 बजे तक

पुर्णाहुति

दिनांक 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार
अभिजित मुहूर्त 12.15 बजे

श्री जोगणियाँ माता शक्तिपीठ मंदिर जो की दानपात्र में आने वाली, कार्यालय में धनराशि जमा कर रसीद प्राप्त राशि व कार्यालय में स्वर्ण रजत के आभूषणों की रसीद तथा ऑनलाइन माध्यम से संस्थान के खाते में जमा हुई राशि से मंदिर निर्माण का कार्य एवं अन्य विकास के कार्य चल रहे है अजालु दान देकर पुण्य के भागीदार बनें ।

अतः अपने परिवार तथा ईष्ट मित्रों सहित पधारें एवं जगदम्मा के दर्शन व कार्यक्रमों में उपस्थिति दर्शन कर लाभ प्राप्त करें ।

सुविधाएँ :- 1- आवासीय व्यवस्था । 2- पर्यटन-भोजन बनाने की सुविधा । 3- बिलर, गर्म पानी का सुविधा । 4- पेयजल, राशरी व शक्ति पूंज सुरक्षा हेतु पुलिस बल की व्यवस्था । 5- अनुपपूर्णा भोजनालय पर शुद्ध सार्विक भोजन की व्यवस्था

विशेष सूचना :- 1- स्थानीय प्रशासन के निर्देशानुसार पर्यावरण सुरक्षा हेतु प्लास्टिक, डिस्पोजल के प्रयोग पर प्रतिबन्ध है, सिटीरी से निर्मित कुल्हड़, वनस्पतिक पत्तों से निर्मित पत्तल/ दाने में प्रसाद चढ़ाये, पूरे क्षेत्र में पूर्ण रूप से प्लास्टिक का प्रयोग निषेध है । 2- दुकान/ठेला लगाने के लिए स्थान को पूर्व स्वीकृति संस्थान को व्यवस्थापक से लेनी होगी । 3- बिजली व स्थान को लिये निष्पार्श्व शुक जमा काराकर रसीद प्राप्त कर लें । 4- अपनी दुकान की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं की होगी । 5- पोलिथीन की बैगियाँ व प्लास्टिक डिस्पोजल का उपयोग नहीं करें, स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें । 6- यात्री अपने वाहन को संस्थान द्वारा निष्पार्श्व स्थल पर ही शुक जमा करा कर खड़ा करें ताकि खोरी ना हो । 7- दुकानों पर तेल आवाज में लाउडस्पीकर बजाना वर्जित है । कबरा पात्र में ही कबरा डालें । सफाई व्यवस्था नहीं रखने या नियमों की अवहेलना करने पर 500 रु. जुर्माना किया जायेगा । 8- जोगणियाँ माता परिक्षेत्र के आसपास लंगर लगाने वाले श्रद्धालु प्रशासनिक स्वीकृति लेकर लंगर लगवें ।

आपके द्वारा दी गई सहयोग राशि से मन्दिर निर्माण, धर्मशाला निर्माण वेद विद्यालय संचालन, गौशाला संचालन, वृक्षारोपण कार्य जोगणियाँ माता शक्तिपीठ क्षेत्र की सीमा विस्तार, जल संरक्षक कार्य, अन्य धार्मिक कार्यों का संचालन, आने वाले अजालुओं के लिए भंडारा, रामरसोड़ा एवं मेला व्यवस्था में कार्य कर रहे कार्मिकों के लिए उत्तम भोजन व्यवस्था, सनातन के समस्त समाजों की आपसी समन्वयता एवं समृद्धता हेतु कार्य ।।

Bank A/c : 23030100000332, IFSC Code : BARB0SAMCHI

निवेदक :- श्री जोगणियाँ माता शक्तिपीठ प्रबन्ध एवं विकास संस्थान के समस्त पदाधिकारी, सदस्य, भक्तगण एवं दैत्रवासी गण ।

श्री जोगणियाँ माता शक्तिपीठ परिसर में 2 किलोमीटर क्षेत्र में डि.जे. साउण्ड तेज आवाज में बजाना प्रतिबन्धित है।

रायला में श्रीनाथ आयरन एंड स्टील पर जीएसटी टीम की छापेमारी, दस्तावेज और स्टॉक खंगाले

डिप्टी कमिश्नर स्टेट जीएसटी भीलवाड़ा की टीम की करीब तीन घंटे से कार्रवाई जारी, कैज् बिलों और स्टॉक का रिकॉर्ड से किया जा रहा मिलान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । भीलवाड़ा जिले के रायला में स्थित श्रीनाथ आयरन एंड स्टील फर्म पर डिप्टी कमिश्नर स्टेट जीएसटी भीलवाड़ा की टीम ने छापेमारी कर जांच शुरू की है। भीलवाड़ा से पहुंची जीएसटी टीम द्वारा फर्म के दस्तावेजों, स्टॉक और जीएसटी से जुड़े बिलों की गहनता से जांच की जा रही है। कार्रवाई शुरू होने के बाद से इलाके के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार जीएसटी विभाग की टीम पिछले करीब तीन घंटे से लगातार फर्म में जांच कार्रवाई कर रही है। टीम द्वारा मौके पर मौजूद स्टॉक का फर्म के रिकॉर्ड से मिलान किया जा रहा है। इसके साथ ही जीएसटी बिल, खर्च-विक्री से संबंधित दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।



स्टॉक और दस्तावेजों का बारीकी से मिलान

जीएसटी टीम की कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने फर्म में मौजूद स्टॉक की स्थिति का रिकॉर्ड से मिलान शुरू किया। जांच का मुख्य फोकस फर्म के जीएसटी से संबंधित दस्तावेजों और बिलिंग व्यवस्था पर बताया जा रहा है। फर्म के कारोबार में जीएसटी से जुड़े संभावित अनियमितताओं या कर में हेरफेर की आशंका को लेकर जांच किए जाने की बात सामने आ



रही है। हालांकि, फिलहाल विभाग की ओर से किसी प्रकार की जीएसटी चोरी या वित्तीय अनियमितता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही दस्तावेजों और स्टॉक के परीक्षण से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कार्रवाई की खबर से अन्य व्यापारियों में भी हलचल

श्रीनाथ आयरन एंड स्टील पर

आखिर विभाग की टीम किस तरह की जांच कर रही है और कार्रवाई का परिणाम क्या सामने आता है। पूर्व में भी हो चुकी है कार्रवाई

जानकारी के अनुसार श्रीनाथ आयरन एंड स्टील फर्म पर पूर्व में भी कर विभाग की कार्रवाई हो चुकी है। ऐसे में इस बार जीएसटी टीम की जांच को लेकर क्षेत्र में विशेष चर्चा है। हालांकि वर्तमान कार्रवाई के संबंध में विभागीय अधिकारियों ने फिलहाल किसी भी प्रकार की कर

गांधी सागर तालाब की पाल में तैरता मिला लापता अधेड़ का शव, सूचना के बाद भी करीब एक घंटे तक नहीं पहुंची एसडीआरएफ टीम, स्थानीय लोगों ने निकाला शव

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के तेजाजी चौक क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब गांधी सागर तालाब के पास पाल में एक अधेड़ का शव पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया। शव नजर आते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर भीमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाने के लिए एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम को सूचना दी, लेकिन स्थानीय लोगों के अनुसार करीब एक घंटे तक आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत कर शव को पानी से बाहर निकलवाया। एसडीआरएफ के समय पर मौके पर नहीं पहुंचने को लेकर क्षेत्रवासियों में नागाजगी भी देखने को मिली।

मृतक की पहचान सोहनलाल खटीक निवासी न्यू आत्माराम कॉलोनी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सोहनलाल गुरुवार सुबह घर से पैदल घूमने के लिए निकले थे, जिसके बाद शाम को उनका शव पंचमुखी मोक्ष धाम के समीप गांधी सागर तालाब की पाल में तैरता हुआ मिला। भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी ने बताया कि सूचना मिली थी कि गांधी सागर तालाब के पास पाल में एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ दिखाई दिया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधेड़ की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।



बूथ निरीक्षण के बाद एसडीएम बने शिक्षक, बच्चों से किए सवाल-जवाब

नई अरवड़ विद्यालय में कक्षाओं में पहुंचकर परखी पढ़ाई की गुणवत्ता, बीएलओ को पंचायत चुनाव की तैयारियों के निर्देश

स्मार्ट हलचल

अरवड़ - फूलियाकलां उपखंड अधिकारी बनवारी लाल बैरवा ने गुरुवार को नई अरवड़ स्थित राजकीय विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आगामी पंचायत चुनाव 2026 के मद्देनजर एसडीएम ने नई अरवड़ के मतदान बूथ संख्या 50, 51 व 52 सहित सांगरिया एवं रलायता स्थित मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं एवं तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नई अरवड़ विद्यालय की कक्षाओं में पहुंचे और कुछ देर के लिए शिक्षक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को पढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों से विषय से संबंधित सवाल-जवाब किए और उनकी शैक्षणिक समझ एवं पढ़ाई के स्तर को परखा। एसडीएम ने बच्चों को नियमित अध्ययन करने के साथ शिक्षा के महत्व के बारे में भी प्रेरित किया। इस दौरान बीएलओ केसर सिंह चौहान, राजेश बैरवा एवं गुलाबचंद सुथार को पंचायत चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं और आवश्यक तैयारियों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



नवरात्रि अनुष्ठान को लेकर मां दधिमथी मंदिर में सजेगा आस्था का दरबार

11 से 20 अक्टूबर तक होंगे धार्मिक आयोजन,

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के मां दधिमथी मंदिर आजादनगर भीलवाड़ा में 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक नवरात्रि अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया जाएगा। दस दिवसीय धार्मिक आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में विशेष तैयारियों की जा रही हैं। दीपक शर्मा ने बताया कि नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मां दधिमथी की आराधना की जाएगी। आयोजन के तहत प्रतिदिन प्रातः अभिषेक एवं हवन का आयोजन होगा। वहीं रात्रि में भजन एवं पौढ़ावना कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नवरात्रि के इन पावन दिनों में मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहेगा।



18 अक्टूबर को होगी विशेष भजन संध्या

नवरात्रि अनुष्ठान के तहत 18 अक्टूबर को रात्रि 7:30 बजे से विशेष भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें दाधीच समाज के भजन गायक राघव दाधीच, दीपा दाधीच आदि मां दधिमथी के चरणों में भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। भजन संध्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। दाधीच समाज न्यास अध्यक्ष हरिप्रकाश कंठ एवं मां दधिमथी मंदिर कमेट्री अध्यक्ष हीरालाल ओझा ने समाजबंधुओं सहित सभी श्रद्धालुओं से नवरात्रि के दौरान आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है। आयोजकों ने कहा कि मां दधिमथी की आराधना एवं धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी बनकर सभी श्रद्धालु पुण्य एवं आशीर्वाद प्राप्त करें।

भटेवर विद्यालय में कंप्यूटर प्रिंटर सेट भेंट

स्मार्ट हलचल

रायपुर 8 अक्टूबर रामनरेशी सेवा ट्रस्ट बोरोना एवं भामाशाह श्री गिरिराज लड्डा (सुपुत्र श्री बालुराम जी लड्डा) वापी गुजरात ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भटेवर को एक कंप्यूटर सेट प्रिंटर सहित सहर्ष भेंट किया. विद्यालय के संस्था प्रधान रामपाल तातेला ने आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए बताया की भामाशाह के इस सराहनीय योगदान से विद्यालय के विद्यार्थियों को आधुनिक एवं डिजिटल शिक्षा से जोड़ने में एक मील का पत्थर साबित होगा. आज के इस तकनीक प्रधान युग में कंप्यूटर शिक्षा बच्चों के उज्जवल एवं स्वर्णिम भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है. इस अमूल्य उपहार से हमारे छात्र-छात्राओं को न केवल कंप्यूटर ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा बल्कि उनका भौतिक विकास भी नहीं ऊंचाईयों को छूएगा. इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी आदि उपस्थित थे.



दर्जा मिला, चुनाव की तारीखें भी घोषित... फिर खजूरी पंचायत समिति का कार्यालय अब तक तय क्यों नहीं

खजूरी पहले से उप तहसील मुख्यालय, फिर भी 15 सीआर क्षेत्र के लोगों को फॉर्म भरने के लिए जहाजपुर के चक्कर लगाने की मजबूरी!

स्मार्ट हलचल

अलकेश पारीक जहाजपुर। खजूरी। खजूरी में पंचायत समिति का दर्जा मिलने से क्षेत्र के लोगों में खुशी है। इसके लिए क्षेत्र की जनता की ओर से विधायक गोपीचंद मीणा का आभार जताया जा रहा है। लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने के बाद अब खजूरी क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलने की

उम्मीद जगी है। लेकिन पंचायत समिति का दर्जा मिलने के बाद अब धरातल पर व्यवस्थाओं को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। पंचायती राज चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी है, ऐसे में चुनावी प्रक्रिया भी शुरू होने वाली है। खजूरी पहले से ही उप तहसील मुख्यालय है, इसके बावजूद नवगठित खजूरी पंचायत समिति का कार्यालय अभी तक कहाँ संचालित होगा, यह स्पष्ट नहीं है।

15 सीआर क्षेत्रों के लोगों को अभी भी जहाजपुर के चक्कर

खजूरी पंचायत समिति क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 15 सीआर क्षेत्रों के लोगों को यदि चुनाव संबंधी फॉर्म भरने अथवा अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए अभी भी जहाजपुर जाना पड़ेगा, तो फिर नई पंचायत समिति बनाने का उद्देश्य आखिर

कितना धरातल पर उतर पाएगा? अन्य नवगठित पंचायत समितियों में तत्काल व्यवस्था के तहत कहीं स्कूल भवन में तो कहीं किराए के भवन में कार्यालय संचालन की व्यवस्था की जा रही है। ऐसे में सवाल यह भी है कि खजूरी पंचायत समिति के लिए ऐसी अस्थायी व्यवस्था अब तक क्यों नहीं की गई? न बोर्ड लगा, न भवन तय... तो नई पंचायत समिति चलेगी कहाँ से जनता के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि पंचायत समिति का दर्जा मिलने के बाद भी अभी तक न तो कार्यालय के लिए भवन तय नजर आ रहा है और न ही किसी भवन पर 'पंचायत समिति खजूरी' का बोर्ड दिखाई दे रहा है। अब जनता यह जानना चाहती है कि नए प्रधान की कुर्सी खजूरी में लगेगी या पंचायत समिति का कामकाज जहाजपुर से ही चलता रहेगा?

पंचायत समिति का दर्जा सिर्फ सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज होने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जनता को नई पंचायत समिति का कार्यालय, अधिकारी-कर्मचारी और प्रशासनिक व्यवस्था धरातल पर दिखाई देने चाहिए। विधायक गोपीचंद मीणा के प्रयासों से खजूरी को पंचायत समिति का दर्जा मिला, इसके लिए जनता आभार व्यक्त कर रही है। लेकिन अब प्रशासन से भी उम्मीद है कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले खजूरी पंचायत समिति की अस्थायी अथवा स्थायी कार्यालय व्यवस्था स्पष्ट की जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को अपने ही पंचायत समिति मुख्यालय के काम के लिए दूसरे शहर के चक्कर न लगाने पड़ें।

जनता का सवाल साफ है दर्जा मिल गया, अब खजूरी पंचायत समिति वास्तव में एक्टिव कब होगी

श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ में 11 से 20 अक्टूबर तक शारदीय नवरात्रि धार्मिक महोत्सव...

स्मार्ट हलचल

बेगूं। श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान, जोगणियां माताजी में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर 11 से 20 अक्टूबर तक धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संस्थान की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार नवरात्रि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। जोगणिया माता शक्तिपीठ संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि नवरात्रि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक कार्यक्रमों का लाभ लेने का आह्वान किया। महोत्सव का शुभारंभ 11



अक्टूबर रविवार को अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 12.05 बजे घट स्थापना एवं ध्वजा रोहण के साथ होगा। इससे पहले सुबह 9.15 बजे वेद विद्यालय से कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें विद्वान पौरोहित्य एवं बैंड की

सहभागिता रहेगी। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात 12 बजे तक दैनिक श्रृंगार, राजोपचार पूजन-अर्चन एवं आरती दर्शन होंगे। इसके साथ ही पंच कुंडीय महायज्ञ एवं शतचंडी पारायण का आयोजन प्रतिदिन सुबह 8.30 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। श्री पवनपुत्र हनुमानजी मंदिर एवं श्री घोड़ापति बालाजी मंदिर परिसर में अखंड रामायण पाठ भी आयोजित होगा। धार्मिक महोत्सव के दौरान प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रतिदिन रात 8 बजे से नवरात्रि समापन तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। 15 अक्टूबर को रात्रि जागरण तथा 17 अक्टूबर को विशेष भजन संध्या एवं रात्रि जागरण का आयोजन रखा

बिजोलिया : नेशनल हार्डवे 27 पर दो भीषण हादसे, तीन लोगों की दर्दनाक मौत, एक गंभीर घायल

स्मार्ट हलचल

बिजोलिया । नेशनल हार्डवे 27 पर आज का दिन बेहद अमंगल साबित हुआ। हार्डवे पर दो अलग-अलग स्थानों पर हुए दर्दनाक हादसों में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहला हादसा: मेनाल घूमकर लौट रहे बिहार के छात्र की मौत

मिली जानकारी के अनुसार, कोटा में रहकर पढ़ाई करने वाले चार छात्र कल शाम दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर मेनाल घूमने आए थे। आज सुबह जब वे वापस मेनाल से कोटा लौट रहे थे, तभी बिजोलिया के कैसरगंज कट पर एक मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर रिलप हो गई। इस हादसे में बाइक सवार 15 वर्षीय छात्र शिवम सिंह राजपूत (निवासी: मुजफ्फरनगर, बिहार) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं,



इसी बाइक पर सवार दूसरा छात्र अर्पित (निवासी: झारखंड) गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

दूसरा हादसा: स्कूल से लौट रहे शिक्षक दंपती को कार ने कुचला

दूसरा भीषण हादसा नेशनल हार्डवे 27 पर किशन निवास चौगहा, मोदी के ढाबे के पास हुआ। यहाँ एक तेज रफ्तार हुंडई कार ने ओवरस्टेक करने

के चक्कर में बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। 35 वर्ष, पिता सोजी राम मीणा) और उनकी पत्नी राम माला मीणा के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से अकतसा (तालेड़, जिला बूँदी) के रहने वाले थे। 6 महीने पहले ही हुई थी शादी: सू्यों के मुताबिक, राजेश और राम माला

की शादी इसी साल अप्रैल माह में हुई थी। वर्तमान में दोनों बिजोलिया में ही रह रहे थे।

पत्नी को स्कूल से लेकर लौट रहा था पति: मृतका राम माला गणेशपुरा के एक स्कूल में शिक्षिका (टीचर) के पद पर तैनात थीं, जबकि राजेश प्रतियोगिता परीक्षाओं (जांब) की तैयारी कर रहा था। राजेश रोज अपनी पत्नी को स्कूल छोड़ने और लेने जाता था। आज भी वह पत्नी को स्कूल से लेकर लौट रहा था, तभी किशन निवास के पास पीछे से आ रही कार ने उन्हें चपेट में ले लिया।

अस्पताल प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई

घटना के तुरंत बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस की मदद से मृतकों को उप जिला चिकित्सालय बिजोलिया लाया गया। वहीं, बिजोलिया थाना पुलिस ने भी तुरंत मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया और दोनों हादसों के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जीतकर आए जनप्रतिनिधि निरंतर समाज विकास में निभाएं सक्रिय भूमिका: देवकिशन आचार्य

आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ के समारोह में निर्वाचित पार्षद हेमराज आचार्य का अभिनंदन, पार्षद प्रत्याशी अनूप शर्मा भी सम्मानित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। आचार्य समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को सम्मान देने के साथ समाज विकास की जिम्मेदारी का संदेश भी दिया गया। अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ की ओर से होटल रॉयल एम्बेसी में आयोजित समारोह में निर्वाचित पार्षद हेमराज आचार्य का सम्मान किया गया। इस दौरान पार्षद प्रत्याशी रहे अनूप शर्मा का भी समाजजनों ने स्वागत किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश आचार्य (फ़ौजी) ने बताया कि समाज के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को सामाजिक विकास की जिम्मेदारी निभाते हुए युवाओं के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। इसी उद्देश्य से अखिल भारतीय आचार्य ब्राह्मण सेवा संघ जयपुर के तत्वावधान में होटल रॉयल एम्बेसी में जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकिशन आचार्य के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान आचार्य समाज के निर्वाचित पार्षद हेमराज आचार्य का सेवा संघ के पदाधिकारियों ने मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर एवं माला पहनाकर सम्मान किया। वहीं समाज के पार्षद प्रत्याशी रहे अनूप शर्मा का भी समाजजनों ने स्वागत किया। मुख्य आतिथि देवकिशन आचार्य ने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को समाज के विकास के लिए सदैव सक्रिय रहना चाहिए। उनके प्रयासों से युवा पीढ़ी को दिशा और मार्गदर्शन मिलेगा। समारोह में राष्ट्रीय सचिव गोपाल शर्मा, समर्थ आचार्य सहित समाजजनों ने विचार व्यक्त किए। संचालन रवि आचार्य ने किया। इस अवसर पर सेवा संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।



गुरलां में आज 5 घंटे बंद रहेगी बिजली रखरखाव कार्य के चलते शटडाउन

स्मार्ट हलचल

गुरला। आवश्यक रखरखाव के कारण गुरलां गांव में शुक्रवार 9 अक्टूबर को 5 घंटे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। गुरलां लाइनमैन विनोद वैष्णव ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक गुरलां गांव की बिजली बंद रहेगी। इस दौरान लाइनों का रखरखाव और मरम्मत का कार्य किया जाएगा। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अपील की है कि इस अवधि को देखते हुए अपने आवश्यक कार्य पहले से निपटा लें और पानी, इन्वर्टर चार्जिंग आदि की व्यवस्था कर लें। कार्य पूरा होने ही आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। अनुविधा के लिए खेद है।

बेटियों के भविष्य से खिलवाड़...

शिक्षा के नाम पर पनपते इन ‘ठग नेटवर्क’ पर लगाम कब...?

स्मार्ट हलचल/आकाश शर्मा

चित्तौड़गढ़ । चित्तौड़गढ़, उदयपुर, भीलवाड़ा और खेरवाड़ा समेत राजस्थान के विभिन्न जिलों की करीब 50 बेटियों का नर्सिंग कोर्स और उनका उज्ज्वल भविष्य आज एक गंभीर संकट के साये में है । पंजाब नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल (PNRC) की, हठरु नर्सिंग परीक्षाएं शुरु हो चुकी हैं,लेकिन इन बेटियों को अभी तक एडमिट कार्ड (प्रवेश पत्र) नसीब नहीं हुआ है। कारण? भीलवाड़ा की ‘श्री बालाजी कोचिंग एंड कंसल्टेंटसी’ द्वारा किया गया वह कथित फर्जीवाड़ा, जिसने मासूम छात्राओं की गाढ़ी कमाई और उनके सपनों को दंव पर लगा दिया है । गौरतलब है कि श्री बालाजी कोचिंग एंड कंसल्टेंटसी का एक कार्यालय प्रतापनगर चित्तौड़गढ़ में है सूत्रों का कहना है कि इसमें सामान्य जिला चिकित्सालय के कर्मचारीयों की मिली भगत से इंकार नहीं किया जा सकता । क्या जिला प्रशासन इस पर त्वरीर कार्यवाही कर के इस संस्थान पर तालें लगायेगा ।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस कंसल्टेंटसी ने पंजाब के एक नर्सिंग कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर प्रत्येक छात्रा से 45,000 से



60,000 रुपये तक वसुले। कुल मिलाकर यह ठगी 25 लाख रुपये से अधिक की बताई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि जब परीक्षा का समय आया, तो कॉलेज का कहना है कि उनके पास फीस पहुंची ही नहीं है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर छात्राओं के दिए गए लाखों रुपये गए कहाँ ? क्या यह किसी बड़े संगठित रेकेट का हिस्सा है, जिसमें शिक्षा माफिया और कुछ श्रष्ट तंत्र के लोग मिले हुए हैं ? सूत्रों के अनुसार, इस पूरे खेल में स्वास्थ्य

विभाग से जुड़े कुछ सरकारी कर्मचारियों की संलिप्तता भी भी सुगुबागुहाट है, जिसकी परतें खुलना अभी बाकी है।

राजस्थान पत्रिकादृष्ट के नियम क्या कहते हैं

पंजाब नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल (PNRC) और शिक्षा संस्थानों के स्थापित नियमों के मुताबिक यदि किसी अधिकृत या अनधिकृत कंसल्टेंटसी/एजेंसी ने फीस ले ली है और कॉलेज ने दाखिला दिया है, तो इसका खमियाजा

छात्राओं को नहीं भुगतना चाहिए । कॉलेज और कंसल्टेंटसी के बीच का वित्तीय या आपसी विवाद आंतरिक मामला है। इस वजह से किसी भी छात्र या छात्रा को परीक्षा से वंचित करने का कोई कानूनी आधार नहीं बनता । ऐसे मामलों में संकटग्रस्त छात्राओं को प्रोविजनल (अस्थायी) अनुमति देकर परीक्षा में शामिल करने का प्रावधान और न्यायसंगत तरीका अपनाया जाना चाहिए ताकि उनका एक कीमती शैक्षणिक वर्ष बर्बाद न हो।

राजस्थान में फल-फूल रहा ‘कंसल्टेंटसी माफिया’ !

भीलवाड़ा की यह घटना केवल एक बानगी भर है। आज पूरे राजस्थान-जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जैसे शिक्षा के प्रमुख केंद्रों में ऐसी अनगिनत फर्जी कॉचिंग और कंसल्टेंटसी एजेंसियां सक्रिय हैं। ये भोले-भाले ग्रामीण परिवारों की बेटियों को कम फीस या आसान दाखिले का झांसा देकर अपने जाल में फंसाती हैं और बाद में उन्हें भगवान भरोसे छोड़ देती हैं। जब तक इन पर सख्त प्रशासनिक और कानूनी शिकंजा नहीं कसा जाएगा, तब तक ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ का नारा इन ठगों की तिजोरी भरने का जरिया बनता रहेगा

पीडित छात्राओं की न्यायोचित मांगें

छात्राओं को तत्काल प्रोविजनल एडमिट कार्ड जारी किया जाए ताकि वे बिना किसी मानसिक तनाव के अपनी परीक्षा दे सकें । फीस का जो भी आंतरिक विवाद है, उसे कॉलेज और कंसल्टेंटसी आपस में सुलझाएं, इसमें छात्राओं के भविष्य को बलि का बकरा न बनाया जाए । इस पूरी ठगी के मुख्य आरोपियों और उनके संरक्षकों पर राजस्थान पुलिस तुरंत मामला दर्ज कर जेल भेजे ।

समय आ गया है कठोर कार्रवाई का

पीडित छात्राओं ने इस संदर्भ में PNRC को आधिकारिक शिकायत दे दी है और न्याय न मिलने पर न्यायालय की शरण लेने की पूरी तैयारी कर ली है। अब यह जिला प्रशासन, पुलिस और राज्य सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे इस ‘शिक्षा माफिया’ पर त्वरित और कठोर प्रहार करें । यदि समय रहते इन जालसाजों को सलाखों के पीछे नहीं भेजा गया, तो यह न केवल इन 50 बेटियों के साथ अन्याय होगा, बल्कि पूरे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की साख पर एक बड़ा सवालिया निशान लगा रहेगा । क्या प्रशासन इन शिक्षा माफियाओं पर नकेल कसते हुए बेटियों के भविष्य को सुरक्षित कर पाएगा?

आरटीई भुगतान अटका, निजी स्कूल संचालकों का सब्र टूटा, पैसा दो, वरना आंदोलन झेलो

3 साल से पुनर्भरण नहीं मिला, 7 दिन का अल्टीमेटम, मांगें नहीं मानीं तो कलेक्ट्रेट पर अर्धनग्न धरने की चेतावनी...

निजी शिक्षण संस्थान संगठन ने कलेक्टर को सौंपा 11 सूत्रीय मांग पत्र, 2018 से आरटीई सेल प्रभारी का पद खाली, भुगतान से लेकर प्रवेश-मान्यता तक के काम प्रभावित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । आरटीई के तहत पढ़ रहे बच्चों की फीस का पुनर्भरण तीन साल से अटकाते और विभागीय स्तर पर समस्याओं का समाधान नहीं होने से निजी स्कूल संचालकों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। भीलवाड़ा जिला निजी शिक्षण संस्थान के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपकर सात दिन में समाधान की मांग की। संगठन ने साफ चेतावा कि तय अवधि में मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेशभर के गैर-सरकारी स्कूल आंदोलन की राह पकड़ेंगे और कलेक्ट्रेट के सामने अर्धनग्न धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदेश प्रभारी रामेश्वर लाल धाकड़ एवं कानूनी सलाहकार शांतिलाल जैन के नेतृत्व में सौंपे जापन में जिलाध्यक्ष अर्जुन देवेलिया ने कहा कि निजी विद्यालय शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन आरटीई के तहत निरुश्लुक पढ़ने वाले विद्यार्थियों का पिछले तीन वर्षों का पुनर्भरण भुगतान लंबित है। इससे स्कूलों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। विभाग और ट्रेंजरी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, जिससे बिलों



का निस्तारण नहीं हो पा रहा। संगठन ने बताया कि जिले में वर्ष 2018 से आरटीई सेल प्रभारी का पद रिक्त है। इसके चलते बजट, प्रवेश और मान्यता नवीनीकरण जैसे कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के वर्ष 2023 से लंबित पुनर्भरण भुगतान सहित आरटीई व्यवस्था से जुड़ी अन्य समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की। जापन में पिछले तीन वर्षों के लंबित आरटीई पुनर्भरण बिलों का सात दिन में निस्तारण, आरटीई सेल प्रभारी की नियुक्ति, पूर्व-प्राथमिक विद्यार्थियों का लंबित भुगतान जारी करने, नो इयूज सर्टिफिकेट के बिना टीसी जारी करने की बाध्यता समाप्त करने, पोर्टल की सुविधाएं सुधारने और पुराना प्रवेश मॉड्यूल बहाल करने की मांग की गई। इसके अलावा 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों के आरटीई भुगतान की स्थिति स्पष्ट करने, सत्र समाप्त होने से पहले दोनों किशतों का शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने, आरटीई पुस्तकों के लिए प्रति विद्यार्थी 1000 से 2000 रुपए अभिभावकों के खाते में भेजने, निजी विद्यालय संगठनों के सुझाव लेकर नीतियां बनाने तथा आरटीई की पुरानी सरल एवं व्यावहारिक प्रवेश प्रक्रिया पुनरु लानु करने की मांग भी रखी गई। इस दौरान रामगोपाल शर्मा, एडवोकेट हंसराज यादव, महेश राठौड़, दिनेश छीपा पुर, महेंद्र शर्मा, विजेश पहाड़िया, पंकज दाधीच, देशबंधु दाधीच, विष्णु मारू, अर्पणा सोनी, रामपाल लुणिया, कमलेश गौड़, गोपाल सोनी, निजामुद्दीन, दुर्गा सिंह राठौड़, दिव्या बाबेल, कुमकुम कुलश्रेष्ठ, धीरज जैन, स्वस्तिक चौबे, महावीर सिंह, धनराज शर्मा, दीपक व्यास सहित कई निजी स्कूल संचालक मौजूद रहे।

राष्ट्रपति भवन में गूंजी शाहपुरा की फड़ कला जोशी परिवार ने बढ़ाया जिले का मान

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा) । शाहपुरा-राजस्थान की गौरवशाली लोक एवं पारंपरिक कला शाहपुरा की फड़ चित्रकला को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित ‘कलाकार निवास’ कार्यक्रम के तहत शाहपुरा के फड़ चित्रकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर शांति लाल जोशी, विजय जोशी और विवेक जोशी ने शाहपुरा की पारंपरिक फड़ चित्रकला का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी कला-साधना और रचनात्मकता प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न लोक एवं पारंपरिक कला परंपराओं से जुड़े कलाकारों से मुलाकात की और उनकी कला को देखा। राष्ट्रपति भवन में आयोजित यह आयोजन भारतीय लोक एवं पारंपरिक कलाओं की विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि को सामने लाने वाला महत्वपूर्ण अवसर रहा। शाहपुरा की फड़ चित्रकला राजस्थान की लोक संस्कृति, लोक देवताओं, लोक कथाओं और संख्त जनजीवन से गहराई से जुड़ी चित्र परंपरा है। इसमें चित्रों के माध्यम से लोककथाओं, आस्था, इतिहास और सामाजिक स्मृतियों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत रखा जाता है। राष्ट्रपति भवन में जोशी चित्रकारों की प्रस्तुति ने इसी समृद्ध परंपरा को राष्ट्रीय मंच पर सामने रखा। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने ‘विकसित भारत’, भारतीय संस्कृति और ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ जैसे विषयों पर कलाकृतियों का सृजन किया। पारंपरिक फड़ शैली के रंग-संयोजन, रेखांकन और कथा-विन्यास के माध्यम से समकालीन विषयों को प्रस्तुत करना अपने आप में अनूठा प्रयोग रहा। इससे यह संदेश भी सामने आया



कि लोककला केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। शांति लाल जोशी, विजय जोशी और विवेक जोशी की राष्ट्रपति भवन में फड़ कला की प्रस्तुति शाहपुरा की कला परंपरा की निरंतरता को दर्शाती है। यह परंपरा गुरु-शिष्य और परिवार की कला-साधना के माध्यम से आगे बढ़ती रही है। राष्ट्रपति भवन में शाहपुरा की फड़ चित्रकला की मौजूदगी को राजस्थान की लोककला के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। शांति लाल जोशी को वर्ष 1991 में राष्ट्रपति पुरस्कार मिल चुका है और उन्हें कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है। वहीं विजय जोशी को वर्ष 2003 में राष्ट्रीय मेरिट पुरस्कार, राष्ट्रीय फेलोशिप सहित कई सम्मान प्राप्त हुए हैं और हाल ही में 24 मार्च 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें सम्मानित किया था। विवेक जोशी को भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय स्कॉलरशिप और राष्ट्रीय फेलोशिप मिल चुकी है।

डिजिटल युग में छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

महिला सुरक्षा को लेकर भी दिए महत्वपूर्ण सुझाव, राज्य स्तरीय कराटे पदक विजेता छात्राओं का हुआ सम्मान

स्मार्ट हलचल /अनिल खींची

ब्यावर। बाल मंदिर नर्सरी एवं बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा महिला प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती राखी राठौड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि राखी राठौड़ ने छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए डिजिटल युग में सतर्कता बरतने का आह्वान किया। उन्होंने छात्राओं को अपनी निजी जानकारी, पासवर्ड एवं डिजिटल गतिविधियों को सुरक्षित रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी छात्राओं को जागरूक किया। भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष साई ने छात्राओं को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने नियमित योग एवं अनुशासित दिनचर्या को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रतिभावान छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली कीर्ति जाजिड़ तथा कांय पदक विजेता नेहा को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं की उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने खुशी जताई। विद्यालय की ओर से मुख्य अतिथि राखी राठौड़, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष साई एवं समाजसेवक रोहित सिंह नाथावत को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गोविन्द सिंह रौठाड़, हितेन्द्र सिंह भाटी, भरत सिंह राठौड़, मुकेश बंग, बबलू सिंह, मुकेश सिंह, विद्यालय प्रभारी लता जैथलिया, शबनम यादव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। अंत में प्रधानाचार्य ने अतिथियों का अभार व्यक्त किया।



दिल्ली विधानसभा में गूंजी शाहपुरा की पर्यावरण आवाज, श्रेया कुमावत ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया...

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा की बाल पर्यावरण कार्यकर्ता श्रेया कुमावत ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद-2026 के राष्ट्रीय सत्र में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। 7 अक्टूबर को दिल्ली विधानसभा में आयोजित राष्ट्रीय सत्र में श्रेया ने बाल प्रतिनिधि के रूप में सदन में अपनी भूमिका निभाई और पर्यावरण एवं टिकाऊ विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद में भाग लिया। श्रेया का राष्ट्रीय स्तर पर फाइनल चयन हुआ था। देशभर के हजारों विद्यार्थियों के बीच विभिन्न चरणों में हुई चयन प्रक्रिया के बाद अंतिम चरण के लिए 95 बाल प्रतिनिधियों का चयन किया गया। इनमें राजस्थान से चयनित श्रेया कुमावत ने दिल्ली विधानसभा में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर शाहपुरा का नाम राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया।

विधानसभा अध्यक्ष ने किया बाल प्रतिनिधियों का उद्घाटन

दिल्ली विधानसभा में आयोजित राष्ट्रीय सत्र की शुरुआत विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के संबोधन से हुई। उन्होंने बाल प्रतिनिधियों का उद्घाटन करते हुए विधानसभा को संवाद, तर्क, विचार-विमर्श और

राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद-2026 के अंतिम चरण में 95 बाल प्रतिनिधियों में चयन, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की विपक्षी मंत्री की भूमिका निभाई



समाधान का मंच बताया। राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद का स्वरूप भी इसी भावना पर आधारित रहा। बच्चों ने सदन में पक्ष और विपक्ष की भूमिकाएं निभाईं तथा पर्यावरण, टिकाऊ विकास और देश के भविष्य से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। इस पूरी प्रक्रिया ने बच्चों को लोकतांत्रिक संवाद और संसदीय कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर दिया। शाहपुरा की श्रेया कुमावत ने इस राष्ट्रीय मंच पर रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की विपक्ष की भूमिका निभाते हुए सदन में अपना पक्ष रखा और संवाद में भाग लिया। एक बाल पर्यावरण कार्यकर्ता के लिए राष्ट्रीय

देशभर से 95 बाल प्रतिनिधियों का चयन किया गया। इन्हीं चयनित प्रतिनिधियों को दिल्ली विधानसभा में आयोजित राष्ट्रीय सत्र में भाग लेने का अवसर मिला। इस चयन प्रक्रिया में शाहपुरा की श्रेया कुमावत का राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उन्होंने न केवल राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि शाहपुरा की पर्यावरण चेतना और यहां चल रहे पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को भी राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाई।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि ने कराया आयोजन

राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद-2026 का आयोजन पर्यावरण संरक्षण गतिविधि (पीएसजी) द्वारा किया गया। वहीं मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल ने राष्ट्रीय स्तर पर मेजबानी एवं संयोजन की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरणीय विषयों से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें संवाद, तर्क, विचार-विमर्श और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करने का अवसर देना रहा। इस तरह बाल संसद

ने पर्यावरण संरक्षण को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए बच्चों की सक्रिय भागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया।

पौधरोपण से बीज संरक्षण तक श्रेया की सक्रिय भूमिका

श्रेया कुमावत लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न अभियानों में सक्रिय हैं। वे पौधरोपण, बीज संरक्षण, बीज गैद निर्माण, प्लास्टिक मुक्त भारत, हर घर हरियाली और पर्यावरण जागरूकता जैसे अभियानों के माध्यम से बच्चों एवं आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती रही हैं। उनकी गतिविधियों में खास बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण को वे केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रखतीं, बल्कि बच्चों को प्रकृति, स्थानीय जैव विविधता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास करती हैं। यही सक्रियता उन्हें राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद के मंच तक ले गई।

शाहपुरा के लिए गौरव का अवसर

श्रेया कुमावत का दिल्ली विधानसभा तक पहुंचना शाहपुरा के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि छोटे शहरों और

कस्बों के बच्चों की प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलने से अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिलती है। राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए श्रेया ने यह दिखाया कि स्थानीय स्तर पर शुरू किए गए छोटे-छोटे पर्यावरणीय प्रयास भी बड़े राष्ट्रीय संवाद का हिस्सा बन सकते हैं। दिल्ली विधानसभा में आयोजित इस राष्ट्रीय सत्र में बच्चों ने तिस तरह पर्यावरण और टिकाऊ विकास पर अपनी बात रखी, उससे यह संदेश भी सामने आया कि आने वाली पीढ़ी पर्यावरणीय चुनौतियों को लेकर जागरूक है और समाधान की चर्चा में अपनी भूमिका निभाना चाहती है। शाहपुरा की श्रेया कुमावत का राष्ट्रीय पर्यावरण बाल संसद के अंतिम चरण में चयन और दिल्ली विधानसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करना निश्चित रूप से शाहपुरा और राजस्थान के लिए गौरव का विषय है। उनकी यह उपलब्धि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा का संदेश देती है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस समिलिया ने किया विरोध प्रदर्शन



स्मार्ट हलचल

कोटा : भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिवस 8 अक्टूबर 2026 को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी समिलिया द्वारा गीता मेघवाल एडवोकेट ब्लॉक अध्यक्ष समिलिया अनिरुद्ध मीणा कार्यकारी अध्यक्ष के नेतृत्व में दीगोद एसडीएम कार्यालय पर दीगोद में विरोध प्रदर्शन कर नेरन्द मोदी और जनेश कुमार का पुतला जलाकर मनाया गया। गीता मेघवाल कहां की लोकसभा में विपक्ष के नेता और अन्य विपक्षी नेताओं और जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों पर यह हमला स्वयं संविधान पर हमला है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने आज का दिन भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिवस घोषित किया प्रदर्शन करने वालों में यूथ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजाराम मेरोठा,राम केलाश मेघवाल लियाकत भाई विष्णु मीणा सावरा गुर्जर महेंद्र मेघवाल हेमराज मीणा पोलाई सत्यनारायण मेघवाल एडवोकेट नेमीचंद मीणा केवल राम मेघवाल अजय गुर्जर, रवि मीणा बल्लभपुरा पक्व मेघवाल कौशल सिंह नरुका अशोक प्रजापति प्रेम शंकर मीणा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

श्री भैरव ,कालश देव जी धाम जगतपुरा का 15वाँ स्थापना दिवस 11 अक्टूबर को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनेगा

स्मार्ट हलचल

निवाई/भरत देवड़वाल। श्री भैरव धाम जगतपुरा का 15वाँ स्थापना दिवस आगामी 11 अक्टूबर 2026, रविवार को बड़े हर्षोल्लास एवं भव्य रूप से मनाया जाएगा। रामधन गुर्जर सेवक ने बताया की धाम में विराजमान भेरु जी महाराज, कालश देव जी एवं हौरामन बाबा की स्थापना वर्ष 2012 में नवरात्रा के प्रथम रविवार को हुई थी। श्रद्धालुओं की मान्यता के अनुसार सितंबर 2012 में रात्रि लगभग 12 बजे गोइला शोजी राम गुर्जर को दिव्य प्रेरणा प्राप्त हुई, जिसके बाद इस पावन धाम की स्थापना की गई। तब से लेकर आज तक यह धाम आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां आते हैं। भक्तों का विश्वास है कि यहाँ सर्पदर्श, जहरीले जैव-जंतुओं के काटने तथा अन्य गंभीर कष्टों से पीड़ित लोगों के लिए प्रार्थना और सेवा के माध्यम से राहत एवं आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह पर्व हर वर्ष नवरात्रों के पहले रविवार को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन परिवार के सभी सदस्य कोई भी कार्य नहीं करते और घर पर रहकर सेवा में जुटे रहते हैं। इस वर्ष समारोह में हजारों श्रद्धालु, संत-महात्मा एवं गणमान्य नागरिक भाग लेंगे। लगभग 4 से 5 हजार श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी (भोजन) की व्यवस्था की गई है। समारोह में डीजे, बैंड-बाजा, भजन-कीर्तन एवं रात्रि जागरण का आयोजन होगा। श्रद्धालुओं की मान्यता के अनुसार रात्रि 12 बजे हौरामन बाबा, कालश देव जी एवं भेरु जी महाराज की दिव्य छाया के दर्शन होते हैं, जिसका लाभ लेने बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित होंगे।

युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बनने पर भूराराम तंवर का भव्य स्वागत

स्मार्ट हलचल

बायतु । युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बायतु बनाए जाने पर भूराराम तंवर का कार्यकर्ताओं द्वारा माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और खुशी का इजहार किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाया तथा नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष भूराराम तंवर के साथ जश्न मनाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर इंगर राम सोनी, भरत सोनी, हनुमान राम बेनीवाल, बाबूलाल प्रजापत, हनुमान राम सैन, जसराज भाटी, भोराराम सैन, छोटाराम पालीवाल, चिमु धरतवाल, कमलेश चौहान, सुखराज पवार, धनराज कोडेचा, चंदू भाटी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



अग्रसेन जयंती महोत्सव में रक्तदान का प्रेरणादायी संदेश, 74 यूनिट रक्त एकत्रित

अग्रवाल समाज समिति की ओर से जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर आयोजित, समाजजनों एवं रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक किया रक्तदान...

अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने किया 33वां रक्तदान, आजना, शारदा, सोनी एवं पारख ने शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का बढ़ाया उत्साह

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा। श्री महाराजा अग्रसेन जी महाराज की जयंती के अवसर पर आयोजित अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत अग्रवाल समाज समिति, निंबाहेड़ा की ओर से गुरुवार को जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में समाजजनों एवं युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए कुल 74 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के माध्यम से समाजसेवा एवं



मानव सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

रक्तदाताओं का बढ़ाया उत्साह रक्तदान शिविर के दौरान दोपहर में चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरण आजना, चित्तौड़गढ़ जिला कांग्रेस कमेटी

उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान जैसे पुनीत एवं मानव सेवा के कार्य के लिए सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज एवं युवा वर्गों द्वारा ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करना सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता का परिचायक है।

अग्रवाल समाज ने किया आत्मीय स्वागत इससे पूर्व आजना, शारदा, सोनी एवं पारख के रक्तदान शिविर स्थल पर पहुंचने पर अग्रवाल समाज समिति, निंबाहेड़ा के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल सहित समाज के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान रक्तदान कर रहे रक्तदाताओं का भी

उत्साह बढ़ाया गया। आशीष अग्रवाल ने किया 33वां रक्तदान रक्तदान शिविर में अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने स्वयं अपना 33वां रक्तदान कर समाजसेवा एवं मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके नियमित रक्तदान की पहल ने उपस्थित समाजजनों एवं युवाओं को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। अग्रवाल समाज समिति की ओर से शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं के प्रति हार्दिक आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया गया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान महादान है और समय पर उपलब्ध कराया गया रक्त किसी जरूरतमंद के जीवन के लिए सजीवनी साबित हो सकता है।

रामनगर बंजारा बस्ती कोटा में राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वच्छता अभियान 6.0 पर जागरूकता कार्यक्रम



स्मार्ट हलचल

कोटा । सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा की ओर से महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से सुटिया तलाई स्थित आंगनवाड़ी केंद्र, रामनगर बंजारा बस्ती कोटा में राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वच्छता अभियान 6.0 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक मनाया गया, जिसका आज समापन दिवस है। इस वर्ष की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' है। उन्होंने कहा कि संतुलित एवं विविध आहार, उचित पुरक आहार, स्वच्छ पेयजल और व्यक्तिगत स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है। उन्होंने स्वच्छता अभियान 6.0 की जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान 2 से 31 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य केवल कार्यालयों की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लबित कार्यों के निस्तारण, अभिलेखों के सुव्यवस्थित प्रबंधन, अनुपयोगी सामग्री के निस्तारण तथा बेहतर एवं स्वच्छ कार्य वातावरण को बढ़ावा देना है। महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला पर्यवेक्षक महिमा सिंगोदिया ने पोषण अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य कुपोषण को कम करना तथा बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों के पोषण स्तर में सुधार करना है। उन्होंने पोषण के साथ स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, स्तनपान और बच्चों की उचित देखभाल के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान पोषण एवं स्वच्छता विषय पर मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। महिलाओं को पोषण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके बाद बंजारा बस्ती में जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संगीता अरोड़ा, सहायिका आशा वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

पंचायतीराज चुनाव 2026 महवा में भाजपा ने फूँका चुनावी बिगुल, 18 विभागों को सौंपी जिम्मेदारी; विधायक राजेंद्र मीणा को मिली दो अहम कमान

बूथ से लेकर सोशल मीडिया तक भाजपा का चुनावी नेटवर्क तैयार – पंचायत समिति चुनाव प्रबंधन समिति की सूची जारी

स्मार्ट हलचल

महवा। पंचायतीराज चुनाव 2026 को लेकर महवा विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियों को संगठनात्मक रूप से धार देना शुरू कर दिया है। भाजपा राजस्थान की ओर से जारी पंचायत समिति चुनाव प्रबंधन समिति (महवा) की सूची में चुनावी रणनीति और संचालन को लेकर अलग-अलग विभागों का गठन करते हुए प्रमुख एवं सह-प्रमुखों की जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। भाजपा की ओर से जारी सूची में संयोजक के रूप में विमल चंद जैन तथा सह-संयोजक के रूप में सत्यनारायण शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही चुनाव प्रबंधन को कई अलग-अलग हिस्सों में बांटकर संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

विधायक राजेंद्र मीणा को दो बड़ी जिम्मेदारियां पंचायतीराज चुनाव की इस चुनावी टीम में महवा विधायक राजेंद्र मीणा को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। सूची के अनुसार विधायक राजेंद्र मीणा को

एसटी संपर्क विभाग का प्रमुख बनाया गया है। वहीं पार्टी ज्वाइनिंग विभाग की कमान भी विधायक राजेंद्र मीणा को प्रमुख के रूप में सौंपी गई है। एसटी संपर्क विभाग में विधायक राजेंद्र मीणा के साथ अशोक मीणा को सह-प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है।

वाई-बूथ से लेकर वोटर लिस्ट तक फोकस भाजपा ने चुनाव प्रबंधन में वाई एवं बूथ स्तर के कार्य तथा वोटर लिस्ट के लिए भी अलग विभाग बनाया है। इसकी जिम्मेदारी विजेन्द्र सांघा को प्रमुख और अशोक मीणा को सह-प्रमुख के रूप में दी गई है। इससे साफ है कि पार्टी चुनावी तैयारियों को केवल बड़े नेताओं और सभाओं तक सीमित रखने के बजाय वाई और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की रणनीति पर काम कर रही है।

प्रचार और मीडिया पर भी विशेष फोकस चुनाव प्रचार को प्रभावी बनाने के लिए भाजपा ने प्रचार सामग्री एवं साहित्य निर्माण, प्रचार सामग्री एवं साहित्य वितरण, प्रचार एवं सभाएं तथा प्रचार रथ जैसे अलग-अलग विभाग बनाए हैं। मीडिया और सोशल मीडिया के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। मीडिया विभाग की जिम्मेदारी हितेश जैन को प्रमुख तथा दिलखुश मोहनपुर को सह-प्रमुख के रूप में दी गई है। वहीं सोशल मीडिया विभाग में हितेश जैन प्रमुख और शाहरुख हुंडला सह-प्रमुख बनाए गए हैं। भाजपा ने चुनावी रणनीति में युवा संपर्क,

महिला संपर्क, ओबीसी संपर्क, एससी संपर्क और एसटी संपर्क के लिए अलग-अलग विभाग बनाकर सामाजिक स्तर पर संपर्क अभियान को महत्व दिया है। युवा संपर्क विभाग में गणेश समलेटी को प्रमुख तथा रूप सिंह हुंडला को सह-प्रमुख बनाया गया है। महिला संपर्क की जिम्मेदारी श्रीमती राजू लता जाटव को प्रमुख और श्रीमती उर्मिला मीणा को सह-प्रमुख के रूप में दी गई है। ओबीसी संपर्क में बाबूलाल सेनी प्रमुख तथा अमर सिंह चौधरी सह-प्रमुख और एससी संपर्क में ललित कुमार बैरवा प्रमुख तथा भीरी लाल बैरवा सह-प्रमुख बनाए गए हैं।

पंचायतीराज चुनाव से पहले भाजपा का बड़ा संगठनात्मक दांव

भाजपा की ओर से इतनी विस्तृत चुनाव प्रबंधन टीम गठित किए जाने से महवा विधानसभा क्षेत्र में पंचायतीराज चुनाव को लेकर संगठन की गंभीरता और तैयारियों का अंदाजा लगाया जा सकता है। अब चुनाव कार्यालय से लेकर बूथ स्तर, प्रचार से लेकर सोशल मीडिया और युवा-महिला संपर्क से लेकर पार्टी ज्वाइनिंग तक अलग-अलग मोर्चा पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। सियासी संदेश साफ-महवा में पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा ने संगठन को चुनावी मोड़ में उतार दिया है। अब जिम्मेदार पदाधिकारियों के सामने इन जिम्मेदारियों को जमीन पर उतारने की चुनौती होगी।

पटवा बाजार चाकूबाजी के विरोध में आज बालाजी चौक पर जुटेंगे शहरवासी

विधायक रामकेश मीणा व सभापति कृष्ण कुमार गोयल ने पीड़ित से मुलाकात कर पूरी कुशलक्षेम, आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

गंगापूर सिटी । मंगलवार रात करीब 10 बजे पटवा बाजार में हुई चाकूबाजी की घटना को लेकर विधायक रामकेश मीणा ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर

पीड़ितों का हाल जाना। विधायक रामकेश मीणा, नगर परिषद सभापति कृष्णकुमार गोयल, उपसभापति मुजाहिद खान, नगर परिषद के पार्षदगण एवं शहर के व्यापारीगण पटवा बाजार पहुंचे, जहां उन्होंने चाकूबाजी की घटना में घायल हुए योगेन्द्र जंगम से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। विधायक ने घटना के संबंध में पूरी जानकारी लेते हुए घायल हुए अन्य व्यक्तियों का भी हाल जाना तथा जल्द से जल्द आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करवाने का आश्वासन दिया। इसके

पश्चात विधायक रामकेश मीणा के निवास पर शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों ने शहर में लगातार सामने आ रही अपराधिक घटनाओं को लेकर अपनी सुरक्षा पर गंभीर चिंता व्यक्त की तथा प्रशासन एवं पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। बैठक में व्यापारिक संगठनों की सहमति से निर्णय लिया गया कि दिनांक 09 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे बालाजी चौक पर शहर के सभी व्यापारिक संगठन, नगर परिषद के पार्षदगण एवं आमजन एकत्रित

होंगे। इसके बाद सभी लोग रैली के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, गंगापुर सिटी के कार्यालय पहुंचकर जापन सौंपेंगे और पटवा बाजार की चाकूबाजी की घटना का विरोध दर्ज कराएंगे।विधायक रामकेश मीणा ने कहा कि अपराधिकों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करवाने के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी तथा शहर के व्यापारियों और आमजन की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उक्त मीटिंग में नगरपरिषद उपसभापति मुजाहिद खान, पार्षद भरतलाल

मीणा, मनोज महावर, रसीद, विष्णु सेनी, विजेन्द्र बनानावत, रतन, बुधराम मीणा, पटवा बाजार अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा (वीरू), जंगम समाज अध्यक्ष वीरेन्द्र जंगम, खारी बाजार अध्यक्ष हरिओम भगत, इन्द्रा मार्केट अध्यक्ष कृष्णकुमार ड्राम, सुनील लेदिया वाले, वेदप्रकाश सेनी, बजाजा ट्रस्ट अध्यक्ष राकेश गुप्ता, बजाजा ट्रस्ट मंत्री धर्मदेव आर्य, रेडिमेंड व्यापार अध्यक्ष रविन्द्र खण्डेलवाल, त्रिलोकचन्द्र खण्डेलवाल आदि व्यापारी संगठन उपस्थित थे।

कोर्ट के आदेश पर वर्षों पुराने रास्ते से अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम, रिकॉर्ड के अभाव में कार्रवाई अधूरी

ग्राम न्यायालय दौसा के इजराय प्रकरण संख्या 08/2025 में कार्रवाई के लिए पहुंची न्यायालय की टीम, राजस्व रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने से नहीं हट सका पूरा अतिक्रमण

स्मार्ट हलचल

दौसा / कृण्डल तहसील मुख्यालय क्षेत्र में वर्षों पुराने रास्ते से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई गुरुवार को न्यायालय के आदेश पर शुरू हुई, लेकिन आवश्यक पुराना राजस्व रिकॉर्ड मौके पर उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। ग्राम न्यायालय दौसा के इजराय प्रकरण संख्या 08/2025, हरिशंकर शर्मा बनाम भीखनारायण शर्मा में जारी आदेश की पालना को लेकर जिला एवं सेशन न्यायालय दौसा की टीम मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान सैल अमीन विनोद कुमार शर्मा के नेतृत्व में न्यायालय की टीम, कृण्डल तहसीलदार जितेंद्र, संबंधित पटवारी तथा कोलवा धाना पुलिस का जासा मौके पर मौजूद रहा। टीम ने न्यायालय के आदेश के अनुरूप विवादित रास्ते का मौका निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की।

पुराना राजस्व रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने से अटकी कार्रवाई मौके पर मौजूद सैल अमीन विनोद कुमार शर्मा के अनुसार न्यायालय के



आदेश में विवादित रास्ते से अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक पुराने राजस्व रिकॉर्ड के साथ राजस्व टीम की मौके पर मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। कार्रवाई के दौरान न्यायालय की टीम ने मौके पर संबंधित पुराना राजस्व रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की आवश्यकता उजागर की, लेकिन पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्रवाई को आगे बढ़ाने में परेशानी सामने आई। रास्ता पूरी तरह नहीं हो सका अतिक्रमण मुक्त आवश्यक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के चलते विवादित रास्ते से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी तरह नहीं हो सकी। ऐसे में वर्षों पुराने रास्ते को पूरी

तरह अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया अधूरी रह गई। मौके पर मौजूद राजस्व अधिकारियों की ओर से न्यायालय के आदेश की पालना को लेकर अलग-अलग स्थिति सामने आने से भी कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। न्यायालय की टीम का कहना था कि आदेश के अनुसार आवश्यक रिकॉर्ड के साथ राजस्व अमले की मौजूदगी जरूरी थी। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि न्यायालय के आदेश की पूर्ण पालना के लिए अगली कार्रवाई कब होगी और वर्षों पुराने विवादित रास्ते को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कर आमजन के आवागमन के लिए कब खोला जाएगा।

अग्रसेन जयंती महोत्सव में रंगारंग गरबा नाइट ने बांधा समां रंग-बिरंगे परिधानों में सजीं महिलाएं-बालिकाएं, गरबा एवं डांडिया की धुन पर जमकर थिरके समाजजन

उत्साह, उमंग और उल्लास से सराबोर रही थाम, अग्रवाल समाज की महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़ाई कार्यक्रम की शोभा

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत अग्रवाल समाज समिति, निंबाहेड़ा की ओर से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में रंगारंग गरबा नाइट का भव्य आयोजन किया गया। गरबा नाइट में समाज की महिलाओं, युवतियों, बालिकाओं एवं बच्चों सहित बड़ी संख्या में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगीत की मधुर धुनों, गरबा और डांडिया की ताल तथा प्रतिभागियों के उत्साह से पूरा आयोजन स्थल ढेर शाम तक उल्लास और उमंग से सराबोर रहा। गरबा नाइट के अवसर पर महिलाएं एवं बालिकाएं पारंपरिक एवं आकर्षक रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर पहुंचीं। सुंदर परिधानों और पारंपरिक श्रृंगार से सजी प्रतिभागियों ने गरबा एवं डांडिया की विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से



कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। जैसे-जैसे संगीत की लय तेज होती गई, वैसे-वैसे गरबा पांडाल में उत्साह भी बढ़ता गया और समाजजन सामूहिक रूप से गरबा करते हुए दिखाई दिए। महिलाओं और बच्चों ने बढ़ाई कार्यक्रम की रौनक

गरबा नाइट में महिलाओं के साथ-साथ युवतियां एवं बालिकाओं ने भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने भी अपनी मासूम

अदाओं एवं उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। बच्चों के लिए गरबा नाइट विशेष आकर्षण का केंद्र रही। परिवारों के साथ पहुंचे समाजजनों ने एक-दूसरे के साथ खुशियों के पल साझा किए और सामूहिक रूप से इस आयोजन का आनंद उठाया। गरबा एवं डांडिया की मनमोहक ताल पर प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से नृत्य करते हुए एकता, आपसी प्रेम और सामाजिक सौहार्द का सुंदर संदेश दिया।

आयोजन के दौरान पूरा परिसर रंग-बिरंगी रोशनी, पारंपरिक परिधानों और संगीत की मधुर धुनों से जीवंत नजर आया। सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपरा का सुंदर संगम

अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत आयोजित गरबा नाइट केवल मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि इसने समाज की एकता, परिवारिक सहभागिता, सांस्कृतिक परंपराओं और आपसी भाईचारे को भी मजबूती प्रदान की। अलग-अलग आयु वर्ग के समाजजनों ने एक साथ गरबा एवं डांडिया में भाग लेकर आयोजन को यादगार बना दिया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं एवं युवतियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक उत्सव के सुंदर समन्वय के बीच सभी ने गरबा नाइट का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन

रहा था और ढेर तक गरबा एवं डांडिया की प्रस्तुतियों का दौर चलता रहा। खुशियों और उल्लास से यादगार बनी शाम

गरबा नाइट के दौरान समाजजनों ने सामूहिक रूप से अग्रसेन जयंती महोत्सव की खुशियां मनाते हुए एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। आयोजन में शामिल परिवारों ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराने का बेहतर माध्यम हैं। अग्रवाल समाज समिति की ओर से आयोजित इस गरबा नाइट ने अग्रसेन जयंती महोत्सव में सेवा, संस्कार, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक उल्लास के रंग भर दिए। पूरे आयोजन के दौरान उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा और गरबा नाइट में शामिल समाजजनों के लिए यह शाम लंबे समय तक यादगार बनी रही।

अभिनय की बुलंद आवाज खामोश, नाना पाटेकर नहीं रहे...

75 वर्ष की उम्र में गोवा स्थित आवास पर ली अंतिम सांस, कार्डियक अरेस्ट की शुरुआती जानकारी; हिंदी-मराठी सिनेमा में शोक की लहर...

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा, भीलवाड़ा । मुंबई। हिंदी और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता, लेखक और निर्देशक नाना पाटेकर का गुरुवार को 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। रिपोर्टों के अनुसार उन्हें गोवा स्थित उनके आवास पर अचेत अवस्था में पाया गया। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नाना पाटेकर के निधन की खबर सामने आते ही फिल्म जगत और उनके करोड़ों प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई। अपनी दमदार आवाज, संवाद अदायगी, तीखे तेवर और सहज अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले नाना पाटेकर ने हिंदी और मराठी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई थी।

रंगमंच से सिनेमा तक छोड़ी अमिट छाप

नाना पाटेकर ने अभिनय की शुरुआत रंगमंच से की और आगे चलकर हिंदी तथा मराठी फिल्मों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। 1978 की फिल्म 'नामन' से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्होंने अनेक यादगार भूमिकाएं निभाईं और



अपनी अभिनय शैली के कारण दर्शकों के बीच अलग मुकाम बनाया। उनका अभिनय केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा। सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों और गंभीर भूमिकाओं को पढ़े पर जिस तीव्रता के साथ उन्होंने प्रस्तुत किया, उसने उन्हें अपने दौर के विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल किया।

किरदार निभाए नहीं, उन्हें जिया

नाना पाटेकर के अभिनय की सबसे बड़ी खासियत उनकी संवाद अदायगी और चेहरे के भाव माने जाते थे। वे पर्दे पर आते तो किरदार के भीतर उतर जाने का एहसास दर्शकों को होता था। गंभीर, आक्रामक, संवेदनशील और सामाजिक सरोकारों से जुड़े किरदारों में उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी। फिल्म 'क्रांतिवीर' से लेकर 'परिदा',

'अग्निसाक्षी', 'अब तक छप्पन' और 'वेलकम' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाएं लंबे समय तक दर्शकों की स्मृति में रहीं।

अचानक निधन से सदमा

रिपोर्टों के मुताबिक नाना पाटेकर को गोवा स्थित आवास पर गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया। उन्हें बचाने के लिए चिकित्सकीय प्रयास किए गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। कुछ रिपोर्टों के अनुसार चिकित्सकों ने करीब 45 मिनट तक सीपीआर देने की कोशिश की। मामले में मेडिको-लीगल प्रक्रिया और पोस्टमार्टम की बात भी सामने आई है।

अभिनय की दुनिया में खाली हुई जगह

नाना पाटेकर का जाना भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है। उन्होंने अपने दर्शकों लंबे करियर में यह साबित किया कि अभिनय केवल संवाद बोलना नहीं, बल्कि किरदार को महसूस करना और उसे दर्शकों तक उसी तीव्रता से पहुंचाना है। उनकी आवाज, उनका अंदाज और पर्दे पर उनकी मौजूदगी लंबे समय तक सिनेमा प्रेमियों की यादों में जीवित रहेगी। नाना पाटेकर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

यूएन में भारत का तंज: पाक को तबाह एयरफील्ड, टूटे रनवे की 'खोखली जीत' मुबारक

स्मार्ट हलचल

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की छठी समिति (कानूनी मामले) में भारत ने एक बार फिर आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर बेनकाब किया है। अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपाय विषय पर आयोजित चर्चा के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रथम सचिव राष्‍ट्र पुरी ने पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा दिए गए भ्रामक बयानों का खंडन करते हुए भारत के 'राइट ऑफ़ रिलीफ़' (जवाब देने का अधिकार) का इस्तेमाल किया। न्यूयॉर्क स्थित यूएन में भारत के स्थायी मिशन ने 'एक्स' पर भारतीय राजनयिक का बयान साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा असली सवाल तो यह है कि तब क्या होता है, जब किसी देश की जमीन से आतंकवादियों को पैसा, मदद, ट्रेनिंग, पनाह या सपोर्ट मिलता है? सिर्फ बयानों से आतंकवाद को नहीं हराया जा सकता। इसके लिए दोषियों, आयोजकों, पैसा देने वालों और स्पॉन्सर करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत है। पुरी ने कहा पाकिस्तान खुद को 'फ़ंटलाइन स्टेट' और पीडित बताता है, लेकिन इस बात को छिपाता है कि जिन 'फ़्रंक्स्टीन' (खतरनाक ताकतों) को उसने बनाया और जिन पर से उसका कंट्रोल खत्म हो गया, वे अब पड़ोसी देशों में तबाही मचाने के बाद खुद पाकिस्तान में भी वही कर रहे हैं। पाकिस्तान के अपने नेताओं ने ही इस बात का खुलासा किया है। आप एक ही समय में दो विरोधी पक्षों का साथ नहीं दे सकते। भारत ने स्पष्ट किया कि यूएन की लिस्ट में शामिल मसूद अजहर (जेईएम चीफ और भारत पर हमलों का मास्टरमाइंड) के लिए ज्यादा इनाम का ऐलान करना सिर्फ दिखावा है। आतंकवाद को पाकिस्तान की तरफ से मिलने वाली आर्थिक मदद के बारे में सब जानते हैं। कुछ महीने पहले ही, पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने जेईएम को 'निष्क्रिय' बताया था। अगर



मीडिया अजहर तक पहुंच सकता है और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर उसकी पुष्टि ले सकता है, तो पाकिस्तानी सरकार को निश्चित रूप से पता होगा कि वह कहाँ है। उन्होंने आगे कहा दुनिया 9/11 और बिन लादेन के मिलने की जगह को नहीं भूली है। न ही 26/11 को और न ही पहलगाम को। कई परिवारों को अभी भी न्याय का इंतज़ार है, जबकि दोषी आज़ाद घूम रहे हैं। पहलगाम के पीड़ितों से उनका धर्म पूछा गया था, न कि उनकी राजनीति। यह बहुत अजीब बात है कि पाकिस्तान धार्मिक नफ़रत से लड़ने की बात करता है, जबकि वह खुद सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान 'ऑपरेशन सिंदूर' पर अपनी सेना के नैरेटिव को प्रचारित करने के लिए बताव है और नैरेटिव बनाने, गलत जानकारी फैलाने और दुष्प्रचार करने में लगा हुआ है। अगर बंबाद हो चुके एयरफील्ड और गड्डों से भरे रनवे पाकिस्तान को जीत जैसे लगते हैं, तो वह खुरी-खुरी इसका आनंद ले सकता है। भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान के उन तमाम खोखले वादों की पोल तो खोली ही, जिनमें वह आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई का अग्रिम मोर्चा (फ़ंटलाइन स्टेट) होने का दम भरता रहा है। साथ ही भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उसे हुए भारी नुकसान को दुनिया के सामने रखते हुए स्पष्ट कर दिया कि तबाही को जीत बताना बंद किया जाय।

► अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस प्रोग्राम की कमियां बताईं

ट्रम्प ने इंपोसिस समेत आठ कंपनियों को ग्रीन कार्ड प्रोग्राम से किया सस्पेंड

● वाशिंगटन

अमेरिका ने गुरुवार को आईटी कंपनियों-कॉर्निनसेंट, इंपोसिस, टाटा, विप्रो, एचसीएल, कैपजेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट और एडोब को 'परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम' से सस्पेंड कर दिया है। इस प्रोग्राम के जरिए कंपनियां एच-1बी वीजा वाले कर्मियों के लिए ग्रीन कार्ड के खातिर अप्लाई कर सकती हैं। यह ऐलान अमेरिकी लेबर सेक्रेटरी कीथ सोंडरलिंग ने किया। इस दौरान उनके साथ अमेरिकी एंटी-फ़्राड टास्क फोर्स के प्रमुख और वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस भी उपस्थित रहे।

सोंडरलिंग ने कहा कि विषय की कुछ सबसे बड़ी आईटी आउटसोर्सिंग कंपनियों-विप्रो, एचसीएल, कॉर्निनसेंट, इंपोसिस, टाटा और कैपजेमिनी को परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम से सस्पेंड कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि श्रम विभाग, माइक्रोसॉफ्ट और एडोब को भी इस प्रोग्राम से हटा रहा है। हम इन कंपनियों से जुड़ी कोई भी नई 'परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन' की अर्जी स्वीकार नहीं करेंगे। इसके अलावा, न ही लॉबिअर्जियां पर कोई कार्रवाई करेंगे। सोंडरलिंग बोले कि 2009 से, सिर्फ इन कंपनियों ने ही लगभग 30 लाख विदेशी कर्मचारियों की मांग की है। उन्हें 2 लाख 30 हजार से ज्यादा एच-1बी वीजा मंजूरी और 1 लाख से अधिक स्थायी श्रम प्रमाणन मिले हैं। ये लाखों नौकरियां थी जो अमेरिकी कर्मचारियों से छीन ली गईं।



यूएस ने यह आरोप लगाए

ट्रम्प प्रशासन कंपनियों को विदेशी कर्मियों को काम पर रखने की इजाजत देने वाले प्रोग्रामों की जांच कर रहा है और इसे लेकर काफी सख्त है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट पर आरोप लगाया है कि वह अमेरिकी कर्मचारियों की जगह विदेशी कर्मचारियों को रखने के लिए इस सिस्टम का इस्तेमाल कर रही है। एचसी की रिपोर्ट के मुताबिक, वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट द्वारा कर्मचारियों की छंटनी और II-1 क़बीजा के इस्तेमाल को सिस्टम के गलत इस्तेमाल के सबूत के तौर पर पेश किया। वेंस ने कहा अगर आप हिसाब लगाएं, तो माइक्रोसॉफ्ट ने जिस भी अमेरिकी कर्मचारी को नौकरी से निकाला, उसकी जगह डेढ़ विदेशी बंधुआ मजदूर को काम पर रख लिया।

ग्रीन कार्ड पाए भारतीय कर्मियों का कार्ड नहीं होगा कैसल

जिन लोगों को पहले ही ग्रीन कार्ड मिल चुका है, उन पर इस फैसले का असर नहीं है। इसका असर उन कर्मियों पर पड़ सकता है जिनका ग्रीन कार्ड प्रक्रिया जारी है या जो जल्द इसके लिए आवेदन करने वाले थे। टाटा, इंपोसिस, विप्रो और एचसीएल में बड़ी संख्या में भारतीय आईटी कर्मचारी अमेरिका में काम करते हैं। इनमें कई कर्मचारी एच-1बी वीजा पर हैं और आगे वक्तवर अपनी कंपनी की मदद से ग्रीन कार्ड पाने की कोशिश करते हैं। अब पीईआरएम प्रक्रिया रुकने से उनके ग्रीन कार्ड में देरी हो सकती है।

एच-1बी वीजा रद्द नहीं होगा: एच-1बी वीजा विदेशी कर्मों को कुछ समय के लिए यूएस में नौकरी करने की अनुमति देता है। वहीं ग्रीन कार्ड यूएस में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देता है। इसलिए पीईआरएम पर रोक लगने से एच-1बी वीजा अपने आप रद्द नहीं होगा।

पीईआरएम प्रोग्राम क्या है: पीईआरएम प्रोग्राम लेबर डिपार्टमेंट की एक प्रक्रिया है। इसके तहत, किसी योग्य विदेशी कमी को स्थायी नौकरी के लिए स्पॉन्सर करने से पहले, एम्प्लॉयर को आमतौर पर यह साबित करना होता है कि उस नौकरी के लिए कोई योग्य, इच्छुक अमेरिकी कर्मचारी नहीं है। लेबर डिपार्टमेंट के अनुसार, परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन के तहत एम्प्लॉयर को अमेरिका में स्थायी रूप से काम करने के लिए किसी विदेशी कर्मचारी को काम पर रखने की अनुमति मिलती है।

क्या अंबानी भारत के असली बॉस हैं एलन मस्क के पोस्ट से फिर बढ़ा स्टारलिक का विवाद

● नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है, 'क्या अंबानी इंडिया के बॉस हैं?' स्टारलिक को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मस्क ने एक पोस्ट से रिक्लाई में ये बात कही। एक्स पर एक पोस्ट में डॉ. अनिरुद्ध ने ये लिखा था कि क्या सरकार भारतीय सितिजन को छोड़ कर क्रोनी कैपिटलिज्म को बचा रही है? इसी को कोट करते हुए मस्क ने लिखा, स्टारलिक को 165 देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और पांच साल तक हर कंप्लायंस पूरा करने के बावजूद भारत में उन्हें लाइसेंस क्यों नहीं मिल रहा? मस्क ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की लॉन्चिंग में हो रही देरी को लेकर अब सीधे देश के टेलीकॉम पावर स्ट्रक्चर पर सवाल उठा दिया है। पहले मस्क ने बिना नाम लिए कुछ ओलिगार्क्स पर स्टारलिक्स को रोकने का आरोप लगाया और अब कुछ घंटे बाद उन्होंने सीधे सवाल किया है, इज अंबानी द रियल बॉस ऑफ इंडिया?

मस्क का यह पोस्ट ऐसे समय आया है जब भारत सरकार उनके आरोपों को साफ तौर पर खारिज कर चुकी है। सरकार का कहना है कि देश में सैटेलाइट कम्प्युनिकेशन के लिए नियम सभी कंपनियों पर बराबर लागू होते हैं और स्टारलिक के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जा रहा। इस पूरे विवाद में दिलचस्प बात यह है कि मस्क ने पहले किसी कारोबारी का नाम नहीं लिया था। उन्होंने कहा था कि कुछ ताकतवर कारोबारी अमेरिका में मोनोपॉली को बचाने स्टारलिक की भारत में एंटी रोक रहे हैं। लेकिन अब उनके नए पोस्ट में अंबानी का नाम सीधे आ गया है।



मस्क ने इससे पहले लगाया था मोनोपॉली का आरोप

इससे कुछ घंटे पहले मस्क ने स्टारलिक की भारत में देरी को लेकर ज्यादा तीखा बयान दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ ताकतवर कारोबारी स्टारलिक को भारत में आने से रोक रहे हैं ताकि भारतीय लोगों पर अपना डमोनोंपॉली कंट्रोल बनाए रखा जा सके। मस्क ने इसे भारत के लोगों के खिलाफ अपराध तक बताया था। उस समय उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था। मस्क का तर्क है कि स्टारलिक खासकर उन इलाकों के लिए उपयोगी हो सकता है जहां मोबाइल टावर या फाइबर नेटवर्क पहुंचाना मुश्किल है। भारत में गांवों, पहाड़ी क्षेत्रों और दूरदराज के इलाकों में ऐसी सर्विस इंटरनेट की पहुंच बढ़ा सकती है। यानी मस्क इस विवाद को सिर्फ अपनी कंपनी के कारोबारी हित के तौर पर पेश नहीं कर रहे। वह इसे उन भारतीयों के इंटरनेट एक्सेस से जोड़ रहे हैं जिनके पास अभी तेज और भरोसेमंद कनेक्टिविटी नहीं है।



स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। उनियारा नगर पालिका क्षेत्र शहर में सफाई एवं लाइट व्यवस्था को लेकर भाजपा के नवनिर्वाचित पार्षदों ने गुरुवार को नगर पालिका पहुंचकर अधिशासी अधिकारी के नाम सहायक अभियंता को जापन सौंपा। भाजपा पार्षद एवं चेयरमैन प्रत्याशी अभय सिंह शक्तावत तथा पार्षद पिटू साहू के नेतृत्व में पार्षद नगर पालिका में चल रहे सेवा सेतु अभियान के दौरान पहुंचे और शहर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान भाजपा पार्षदों ने शिफ्ट में मौजूद अधिकारियों के समक्ष अपने वाडों में मूरम्भूत सुविधाओं को लेकर नाजजगी जताई। पार्षदों ने आरोप लगाया कि भाजपा पार्षदों के वाडों के साथ भेदभाव किया जा रहा है और वहां सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। पार्षदों ने बताया कि कई वाडों में नियमित सफाई कर्मी नहीं लगाए जाने से जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। वहीं नालियां कचरे से अटी पड़ी हैं। लाइट व्यवस्था सुचारू नहीं होने के कारण रात के समय कई इलाकों में अंधेरा रहता है, जिससे वाडवासियों को

निर्वाचन ड्यूटी कटवाने के लिए नहीं चलेगा बीमारी का बहाना, स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल बोर्ड गठन के निर्देश

स्मार्ट हलचल

चूरू । चुनाव कार्य से मुक्त रहने के लिएबीमारी का बहाना अब नहीं चलेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अभिषेक सुराणा ने अस्वस्थता के कारण दायित्व मुक्ति चाहने वाले कार्मिकों के लिए मेडिकल बोर्ड के गठन के आदेश जारी किए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) आर्पिता सोनी ने बताया कि निर्वाचन कार्य से मुक्त रहने के लिए अक्सर कार्मिकों द्वारा अस्वस्थता का उल्लेख किया जाता है। यदि किसी कार्मिक द्वारा अब निर्वाचन दायित्व से मुक्ति के लिए बीमारी के कारण का उल्लेख किया जाएगा तो उसका मेडिकल बोर्ड से परीक्षण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव- 2026 के संदर्भ में सीएमएचओ को चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए 03 मेडिकल बोर्ड गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि एक बोर्ड चूरू मुख्यालय पर जिसमें उपखण्ड चूरू व राजगढ़, दूसरा बोर्ड सरदारशहर मुख्यालय पर जिसमें उपखण्ड तारानगर व सरदारशहर के चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों के लिए तथा तीसरा बोर्ड रतनगढ़ मुख्यालय पर रतनगढ़, सुजानगढ़ व बीदासर उपखंड के कार्मिकों के लिए गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं गठित बोर्ड में नियुक्त अधिकारियों को कार्मिक का पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण उपरान्त ही अपनी अनुशंसा/टिप्पणी कर रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त

समाचार

रुसी राष्ट्रपति पुतिन से बहुत जल्द होगी बात, रूस-यूक्रेन युद्ध पर गहरी चर्चा जारी : राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत बहुत जल्द होने वाली है। उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन इस पर जल्द ही कुछ और जानकारी दे सकता है, क्योंकि अभी बहुत गहरी चर्चा चल रही है। ट्रंप ने मरीन वन से उतरने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस बातचीत की योजना के बारे में बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने पुतिन से बात की है और अमेरिका का अगला कदम क्या होगा, तो ट्रंप ने कहा, ‘मेरी एक कॉल तय है।’ जब पूछा गया कि बातचीत कब होगी, तो ट्रंप ने जवाब दिया, ‘बहुत जल्द। एक रिपोर्टर ने फिर पूछा कि क्या यह कॉल इसी हफ्ते होगी और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां रूस में हो रहे घटनाक्रमों के बारे में क्या कह रही हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, ‘अभी तक, हम बहुत गहरी चर्चा में हैं। हम शायद कुछ इसके बारे में रिपोर्ट कर पाएंगे।’ ट्रंप ने कहा है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। सोमवार को मैरीलैंड के स्पेरो पॉइंट में अग्रा से बात करते हुए उन्होंने माना कि यह संघर्ष शुरू में जितना सोचा था, उससे ज्यादा मुश्किल साबित हुआ है। ट्रंप ने कहा, ‘मैंने आठ युद्ध खत्म किए। हमने अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म नहीं किया है। मैं उस पर काम कर रहा हूं। मुझे लगा था कि वह मेरे लिए सबसे आसान होगा, लेकिन वह भी बहुत जल्द होने वाला है।’ ट्रंप ने कहा, ‘उस जग में बहुत सारे लोग मारे जा रहे हैं, ये बेहद दुखद है। जो कुछ हो रहा है वो ठीक नहीं है, लेकिन यकीन मानिए, भले ही ऐसा न लग रहा हो, लेकिन हम इसके खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं।

इजराइल के लिए फिर से उड़ान शुरू करने की कोशिश में फ्लाईडुबई, मिला झटका

दुबई , एजेंसी। फ्लाईडुबई के विमान में हुई घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर दिया है. कट्टरपंथी सोच वाले ओमानी को-पायलट हम्माम अल-हम्मामी ने कैसे विमान को तबाह करने की साजिश रची थी, इससे हर कोई हैरान है. इस बीच खबर है है कि फ्लाईदुबई ने इजराइल के लिए अपनी हवाई उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. क्योंकि 30 सितंबर की घटना की जांच अब अंतिम चरण में है. हालांकि इसे नमंजूर कर दिया गया है. रिपोर्ट के मुताबिकफ्लाईदुबई ने इजराइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. फ्लाईडुबई का कहना है कि विमान में हुई घटना की जांच जांच पूरी हो रही है, ऐसे में उसे फिर से उड़ानें फिर से शुरू करने दिया जाए. हालांकि इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अभी इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है. चैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाईदुबई ने यह अनुरोध उसके एक विमान के को-पायलट द्वारा आतंकी हमला करने की कोशिश के एक हफ्ते बाद किया गया है. एयरलाइन का कहना है कि हमले की जांच पूरी हो रही है और कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों को भी अगले हफ्ते दुबई का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

‘न तेल, न इकोनॉमी.. कुछ नहीं बचा, ईरान बर्बाद हो गया’, डोनाल्ड ट्रंप का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान बुरी तरह से बर्बाद हो चुका है। उन्होंने व्हाइट के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है और वहां महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के तेल मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। ट्रंप के मुताबिक ईरान के पास न अर्थव्यवस्था बची है और न ही तेल। वहीं उन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत बताया और कि इसकी वजह डॉलर है। उन्होंने कहा कि मजबूत डॉलर कई मायनों में फायदेमंद है। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है। महंगाई चरम पर है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में महंगाई लगभग 300 प्रतिशत है। उनके पास न तो तेल बचा है और न अर्थव्यस्था बची है। उनके तेल मंत्री ने हाल में इस्तीफा दे दिया। बता दें कि ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनजेद ने 4 अक्टूबर को इस्तीफा दिया था, जिसे राष्ट्रपति मसूद पेजेइशकयन ने स्वीकार कर लिया। नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के सीईओ हामिद बोवार्द को अस्थायी तेल मंत्री नियुक्त किया गया है।

फ्रांस में शिक्षा फंडिंग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग: पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस; बवाल की वजह क्या?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में स्कूलों के लिए ज्यादा फंड की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन मॉगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया, जिनमें अकेले पेरिस में 56 हजार छात्र और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे। यह आंदोलन सितंबर के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ था। अब यह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यकाल में हुए कई बड़े प्रदर्शनों के बीच एक नए देशव्यापी

आंदोलन के रूप में सामने आया है। प्रदर्शन में शामिल लीआ मोनिमार्ट ने कहा कि सरकार को छात्रों की बात सुनी चाहिए, क्योंकि वे 17 साल के हैं और अपने मुद्दों को समझते हैं।

पुलिस ने आंसू गैस क्यों छोड़ी ? ज्यादातर प्रदर्शन शान्तिपूर्ण रहे, लेकिन पेरिस में मार्च खत्म होने के बाद एक चौक पर प्रदर्शनकारियों के छोटे समूहों और दंगा नियंत्रण पुलिस के बीच झड़प हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। गृह मंत्रालय के मुताबिक, मंगलवार को करीब 500 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की कार्रवाई को लेकर छात्रों, अभिभावकों और

भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे: राजदूत कवात्रा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन कवात्रा ने कहा है कि भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे हैं क्योंकि इनकी लोकप्रियता अब केवल स्वाद तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सेहत, वेलनेस और रोजमर्रा की खान-पान की आदतों तक भी फैल गई है। कवात्रा ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मसालों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐसे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाती है जो उनके कमर्शियल महत्व से कहीं अधिक है। इंडिया हाउस में भारतीय मसालों के सम्मान में आयोजित एक खास कार्यक्रम में कवात्रा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि मसाले सिर्फ व्यापार से कहीं ज्यादा हैं। मेरे निजी नजरिए से ज्यादा जरूरी बात यह है कि इन मसालों के जरिए हम अमेरिकी घरों तक भारतीयता का एक बहुत अहम हिस्सा पहुंचाते हैं।’

इस कार्यक्रम में अमेरिकन स्पाइस ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, फूड इंडस्ट्री के प्रतिनिधि और मेहमान भारतीय राजदूत के आवास पर इकट्ठा हुए। कवात्रा ने मसालों को भारतीय सभ्यता की एक ऐसी अटूट कड़ी बताया जो आज के भारतीय घरों को हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से जोड़ती है। कवात्रा ने कहा, ‘मैं हमेशा लोगों से कहता हूं और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज



में नहीं बदली है, तो वह हैं मसाले। मैं वहीं मसाला इस्तेमाल करता हूं जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वहीं मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।' कवात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है। राजदूत ने हल्दी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारतीय जीवन का एक अहम हिस्सा रही यह चीज अब आधुनिक अमेरिकी फूड कल्चर का हिस्सा बन गई है। कवात्रा ने 2010 से 2013 के बीच वॉशिंगटन में अपनी पिछली पोस्टिंग से कहता हूं और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज

लॉस एंजिल्स से सैन डिएगो तक... अमेरिका के इन 13 शहरों पर एक साथ हमला कर सकता है ईरान

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के कम से कम 13 शहरों पर ईरान हमला कर सकता है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसकी आशंका है, जिसके बाद इन शहरों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं. मंगलवार (6 अक्टूबर) को एक रैली में ट्रंप ने कहा कि ईरान लॉस एंजिल्स और सैन डिएगो पर हमला करना चाहता है. उन्हें कोशिश करने दीजिए. हम अपनी सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त कर रहे हैं. ट्रंप ने आगे कहा कि शहरों को सुरक्षित रखने के लिए हम कुछ ज्यादा खर्च कर रहे हैं. यह कुछ दिनों की बात है. ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अमेरिका के शहरों पर हमले की चेतावनी दी है. इतना ही नहीं, ईरान की चेतावनी के बाद अमेरिका ने ब्रिटेन के फेयरफोर्ड से अपने बी-2 बॉम्बर वापस बुला लिए हैं. यहां ईरान ने ड्रोन हमले की चेतावनी दी थी.

हमले की जद में अमेरिका का ये 13 शहर : अमेरिका की संघीय सरकार ने उच्च जोखिम वाले शहरी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए बजट बढ़ाने का फैसला किया है. जिन शहरों की सुरक्षा व्यवस्था

पर ज्यादा खर्च करने का फैसला किया गया है, उनमें राजधानी वाशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क सिटी, ब्रुस्टन, शिकागो, अटलांटा, बोस्टन, डेनवर, मियामी, न्यू ऑरलियन्स, फीनिक्स/मैरिक्पोपा काउंटी, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र, सिएटल और लॉस एंजिल्स शामिल हैं. अमेरिका ने 2010 की एक जीएसओ रिपोर्ट के आधार पर इन शहरों की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाने का फैसला किया है. इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिका का ये 13 शहर आतंकियों की रक्षा पर है. ईरान ने कुछ महीने पहले ब्रिटेन के फेयरफोर्ड बेस पर हमले की चेतावनी दी थी. पिछले हफ्ते ईरान से जुड़े 5 लोगों को बेस के पास रेकी करते हुए देखा गया. डेली मेल के मुताबिक ईरान इस बेस पर ड्रोन हमला करना चाहता था, जिससे अमेरिका का बी-2 बॉम्बर को बेस पर ही नष्ट किया जा सके. अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरानी खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया गया. यानी अमेरिका को लगता है कि ईरान इस वक्त कोई भी प्रॉक्सी हमला करा सकता है।

यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूसी तट के पास भारतीय क्रू मेंबर वाले तेल टैंकर में लगी आग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के काला सागर तट के पास लाइबेरिया के झंडे वाले एक ऑयल टैंकर पर यूक्रेनी ड्रोन हमले से आग लग गई। इस टैंकर पर सभी क्रू मेंबर भारतीय थे। रूसी परिवहन मंत्रालय ने बताया कि सभी 23 क्रू मेंबर को सुरक्षित बचा लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, टैंकर पर ‘नेवल ड्रोन’ से हमला किया गया, जिसके बाद काला सागर में कच्चे तेल में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि शुरू में दमकलकर्मী इसे बुझा नहीं पाए। रूस के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि आग की तीव्रता कम होने पर दमकलकर्मী इसे काबू में करने की एक और कोशिश करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि हमले के बाद क्रू के सभी 23 सदस्यों को बचा लिया गया। यह घटना काला सागर तट पर स्थित रूस के लोकप्रिय रिसॉर्ट शहर सोची के पास हुई, जिसकी आबादी लगभग 5



लाख है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में समुद्र में तेज नारंगी रंग की लपटें उठती दिख रही हैं जबकि सोची के पास आसमान में काले धुएँ का गुबार उठता देखा जा सकता है। शहर के मेयर ने सोशल मीडिया पर कहा कि घटना के बाद तट

और समुद्र तटों (बीचेस) तक लोगों की पहुंच पर रोक लगाई जा रही है। टैंकर पर यह हमला रोमानियाई तट के पास एक और जहाज में आग लगने और उसके डूबने के एक दिन बाद हुआ। उस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक अन्य लापता

के दंगा नियंत्रण हथियारों से गंभीर चोटें लगने के आरोपों के बीच सोमवार को एक घटना में 15 साल के एक लड़के का हाथ चला गया। गृह मंत्री नुनेज ने बताया कि 715 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। विश्वविद्यालय के छात्र फेलिक्स बानी ने पुलिस की कार्रवाई को अनुपातहीन बताया और कहा कि नाबालिगों के साथ ऐसा व्यवहार समझ से परे है। वामपंथी फ्रांस अनबाउड पार्टी के सांसद अलियन लो कोक ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए लाठी, रबर की गोलियों और आंसू गैस के इस्तेमाल का जिक्र किया। आंदोलन को फ्रांस में व्यापक असंतोष का समर्थन मिल रहा है। छात्रों की शिक्षा से जुड़ी शिकायतों

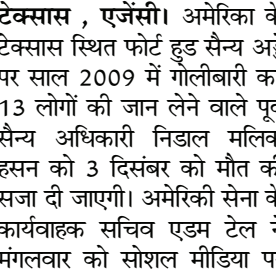
हो गया था। यूक्रेन ने कहा कि ड्रोन हमला रूस ने किया था। उस घटना में एक भारतीय क्रू सदस्य भी घायल हुआ था। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से काला सागर के आसपास कमर्शियल शिपिंग पर हमले बढ़े हैं। जारी संघर्ष के बीच रूस और यूक्रेन ने ही इस क्षेत्र में जहाजों और समुद्री बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। हाल के दिनों में रूस ने रोमानिया (जो यूरोपीय संघ का सदस्य देश है) के तट के पास यूक्रेनी सामान ले जा रहे अनाज के जहाजों पर हमले किए हैं। वहीं, यूक्रेन का कहना है कि रूस के तेल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर उसके हमले, मॉस्को द्वारा यूक्रेनी कस्बों और शहरों पर रात में किए जाने वाले हमलों के जवाब में सही हैं। दोनों पक्षों ने हाल के हफ्तों में अपने हमलों को और तेज करने का संकल्प लिया है।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी नहीं हो रहा कोई विचार: मार्को रूबियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रूबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के ‘ट्रेंड’ पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। रूबियो ने कहा, ‘जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। वे रेखा्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरोगेरदुर कैट्रिन गुन्नार्सडॉटर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रूबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा ‘हां’ या ‘ना’ में जवाब नहीं है। रूबियो ने कहा, ‘अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे।’ रूबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, ‘हम जाहिर तौर पर कह के हालात के

ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कैटिक और ‘हाई नॉर्थ’ (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई। रूबियो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वॉशिंगटन का ध्यान फिर से खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा, ‘असलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। आज आर्कटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रूबियो ने आइसलैंड को यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति खराब है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन रेखा्याविक के साथ और सहयोग पर बातचीत करने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि अपनी भौगोलिक स्थिति की वजह से आइसलैंड एक असाधारण लोकेशन यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा कि ‘हाई नॉर्थ’ में सुरक्षा चिंताएं सिर्फ पारंपरिक सैन्य खतरों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने गुप्त गतिविधियों, समुद्र के नीचे बिछे निभाना चोहों।’ रूबियो ने संकेत वाले खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आर्थिक व व्यावसायिक चुनौतियों का जिक्र किया।

फोर्ट हुड केस: 13 लोगों की हत्या के दोषी निडाल हसन को 3 दिसंबर को मिलेगी सजा-ए-मौत, क्या है फायरिंग स्क्वाड



टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास स्थित फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर साल 2009 में गोलीबारी कर 13 लोगों की जान लेने वाले पूर्व सैन्य अधिकारी निडाल मलिक हसन को 3 दिसंबर को मौत की सजा दी जाएगी। अमेरिकी सेना के कार्यवाहक सचिव एडम टेल ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। हसन को फायरिंग स्क्वाड यानी गोली मारकर मौत की सजा दी जाएगी। अमेरिकी सेना में 1961 के बाद से किसी को भी मौत की सजा नहीं दी गई है। ऐसे में यह मामला एक बार फिर अमेरिका की सैन्य न्याय व्यवस्था को चर्चा में ले आया है।

ट्रंप की मंजूरी के बाद आगे बढ़ी सजा की प्रक्रिया : पेंटागन के प्रवक्ता सीन पारनेल ने सोमवार को बताया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हसन को मौत की सजा देने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद सेना

ने सजा को अमल में लाने की दिशा में जरूरी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। कार्यवाहक सेना सचिव एडम टेल के मुताबिक, सजा टेक्सास के फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर ही दी जाएगी, जहां हसन ने 2009 में इस जानलेवा हमले को अंजाम दिया था।

मेडिकल जांच कराने पहुंचे सैनिकों पर बरसाई थीं गोलियां : नवंबर 2009 में निडाल हसन फोर्ट हुड के एक मेडिकल भवन में पहुंचा था। उस समय वहां सैनिक अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के

लिए मौजूद थे। हसन ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के दौरान उसने ‘अल्लाहु अकबर’ कहा, जिसका अर्थ है ‘ईश्वर महान है’। उसने लेजर साइट वाली पिस्तौल से गोलियां चलाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे अमेरिका को झकझोर कर रख दिया था। हसन अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक के पद पर तैनात था। मुकदमे के दौरान उसने अपने बचाव में बहुत कम दलीलें दीं। उसने जुरी से कहा था कि सबूत यह साबित कर देंगे कि गोली चलाने वाला वही था। उसने खुद को ऐसा सैनिक बताया था, जिसने अपना पक्ष बदल लिया है। हसन ने यह भी कहा था कि उसका मकसद के सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने साथी मुसलमानों को मारने से रोकना था। उसके इस

कैसे बची कैप्टन स्मित की जान?: ‘लगातार बह रहा था खून, हॉट भी पड़ गए थे नीले’; अब डॉक्टर ने खुद बताई हकीकत

तेल अवीव , एजेंसी। तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई की उड़ान में हुई चाकूबाजी से हर कोई हैरान है। 170 से ज्यादा यात्रियों की जान बचाने वाले पायलट स्मित मच्छर इसके असली हीरो रहे। दरअसर, उनके सह-पायलट ने अल हमाम ने अचानक उनपर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद विमान काफी नीचे आ गया था। कुछ ही सेकंड में विमान क्रैश भी हो सकता था, लेकिन स्मित ने हार नहीं मानी। खून से लथपथ होने के बावजूद स्मित ने मुकाबला किया और मौका मिलते ही कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इस दौरान कार यात्रियों ने तुरंत दौड़ लगाईं। कुछ ने हमलावर को पकड़ा। एक ने विमान संभाला। उन्हीं चार में से एक दांतों के डॉक्टर भी थे। उन्होंने तुरंत स्मित को संभाला और उनकी जान बचाने पूरी ताकत झोंक दी। एक इंटरव्यू में जॉर्जियाई दंत चिकित्सक डॉ. शुला मुसाएव ने इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करीब 45 मिनट तक वो लगातार घावों पर दबाव पड़ने लगे तो उन्होंने विमान कर्मचारियों से जल्द लैंडिंग कराने को कहा। कैप्टन ने दई की दवा मांग रहे थे। मुसाएव उन्हें थोड़ा-थोड़ा पानी दिया, लेकिन भारी खून बहने के कारण दवा देने से मना कर दिया। उन्हें डर था कि कैप्टन को हिलाने या दवा देने से देबारा ज्यादा खून निकल सकता है। वह लगातार उनकी नब्ज, बातचीत और होंठों का रंग देखते रहे। विमान के सड़की अरब में उतरने के बाद उन्होंने कैप्टन को जमीन पर मौजूद डॉक्टरों के हवाले कर दिया।



रखा और बर्फ लगाते रहे। उनका कहना था कि जब भी वह खून देखने के लिए टी-शर्ट हटाते थे, खून फिर तले बहने लगता था। मुसाएव लगातार कैप्टन की हालत देखते रहे। वह उनसे बात करते रहे ताकि वह बेहोश न हों। उन्होंने कैप्टन से उनके बच्चों के बारे में पूछा और कहा कि वह जल्द अपने परिवार के पास लौटेंगे। कैप्टन ने अपना नाम और उम्र बताई। उन्होंने बताया कि वह भारत से हैं और दुबई में रहते हैं। वह दर्द में थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। एक समय उनकी नब्ज बहुत कम हो गई। तब मुसाएव ने उनके पैर ऊपर किए, जिसके बाद नब्ज फिर लौट आई। जब कैप्टन के होंठ नीले पड़ने लगे तो उन्होंने विमान कर्मचारियों से जल्द लैंडिंग कराने को कहा। कैप्टन ने दई की दवा मांग रहे थे। मुसाएव उन्हें थोड़ा-थोड़ा पानी दिया, लेकिन भारी खून बहने के कारण दवा देने से मना कर दिया। उन्हें डर था कि कैप्टन को हिलाने या दवा देने से देबारा ज्यादा खून निकल सकता है। वह लगातार उनकी नब्ज, बातचीत और होंठों का रंग देखते रहे। विमान के सड़की अरब में उतरने के बाद उन्होंने कैप्टन को जमीन पर मौजूद डॉक्टरों के हवाले कर दिया।



एशियन पैरा गेम्स: प्रमोद भगत और भाविना पटेल करेंगे भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल को 2026 एशियन पैरा गेम्स के उद्घाटन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 18 अक्टूबर को जापान के नागोया में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में तिरंगा धामकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। एशियन पैरा गेम्स का पांचवां संस्करण 18 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

प्रमोद भगत भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2014 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में कुल छह पदक जीते हैं, जिसमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल ने 2018 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में दो पदक अपने नाम किए हैं। उनके खाते में एक रजत और एक कांस्य पदक है।



भारत की ध्वजवाहक चुने जाने पर भाविना पटेल ने इसे अपने लिए बेहद गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'भारत की ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का पल है। जब आप तिरंगा धामते हैं तो आपको

एहसास होता है कि आप खुद से कहीं बड़ी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।'

भाविना ने आगे कहा, 'मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर बेहद उत्साहित हूँ। मैं उम्मीद

करती हूँ कि हमारे सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ उतरे, इस पल का आनंद लें और भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।'

दोनों के नाम आठ एशियन पैरा गेम्स पदक प्रमोद भगत और भाविना पटेल ने मिलकर एशियन पैरा गेम्स में कुल आठ पदक जीते हैं। अब दोनों भारतीय दल के सबसे आगे तिरंगा धामकर देश के अभियान की शुरुआत करेंगी। दोनों खिलाड़ियों का चयन भारतीय पैरा खेलों के बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी उपलब्धियों का भी प्रतीक है।

प्रमोद और भाविना दोनों ने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी उपलब्धियों से देश के कई युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उद्घाटन समारोह में उनकी मौजूदगी भारतीय दल के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत होगी।

PCI अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने की तारीफ

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने दोनों खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। दोनों असाधारण चैंपियन हैं और उन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका सफर, उपलब्धियाँ और जुझारूपन उन्हें भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान पर जाने वाले हमारे खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।'

गुरुवार को होगा भारतीय दल का विदाई समारोह

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया गुरुवार को भारतीय दल के लिए औपचारिक विदाई समारोह आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी। पूरे एशिया से पैरा एथलीट हिस्सा लेंगे। भारत की नजरें इस बड़े मंच पर अपने बढ़ते प्रभाव को और मजबूत करने पर होंगी। प्रमोद भगत और भाविना पटेल जैसे अनुभवी और सफल खिलाड़ियों का



पूर्व भारतीय स्पिनर का दावा, बोले-न्यूजीलैंड दौरे पर होंगी नजर

विश्वकप टीम में जगह बना सकते हैं भुवनेश्वर!



नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने पर भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय वनडे टीम के दरवाजे खुल सकते हैं। इतना ही नहीं अश्विन ने कहा कि भुवनेश्वर अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के साथ भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में की है वापसी भुवनेश्वर को चार साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर ने अपना पिछला वनडे मैच 2022 में पाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 121 वनडे मैच में 141 विकेट लिए हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वह अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूँ, अगर भुवनेश्वर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तुरंत कहना कि उन्हें वनडे टीम में भी शामिल करो। चयनकर्ता उन पर बहुत करीब से नजर रखेंगे। अगर वह गेंद को स्विंग कराते हैं और अच्छी फिटनेस दिखाते हैं तो जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को विश्व कप के लिए एक ही विमान में जाने से कोई नहीं रोक सकता। भुवनेश्वर विश्व कप की पहली गेंद भी डाल सकते हैं।

धनंजय डिसिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने तत्काल प्रभाव से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। 35 वर्षीय डिसिल्वा ने अपने फैसले की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति को दे दी है। हालांकि, वह बतौर खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी सेवाएं जारी रख सकते हैं। जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने वाले धनंजय ने अपने फैसले की वजह भी स्पष्ट की है। उन्होंने चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरा मानना है कि अब बागडोर अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए।' डिसिल्वा का यह फैसला श्रीलंका के टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में अहम माना जा रहा है धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने श्रीलंका के लिए 69 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान 13 शतकों की मदद से 4400 से अधिक रन बनाए हैं। बतौर बल्लेबाज वह टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और लंबे समय तक श्रीलंका के टेस्ट मध्यक्रम को मजबूती देते रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद भी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है और वह खिलाड़ी के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। धनंजय डिसिल्वा ने जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने टीम की अगुआई करते हुए पारंपरिक प्रारूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।



अभिनेता के दिल के बहुत करीब था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। अब जब नाना पाटेकर हमारे बीच नहीं हैं तो उनकी यादों के सहारे ही इस दिग्गज कलाकार को अंतिम विदाई दी जा रही है। 75 साल की उम्र में आज को दुनिया छोड़ने वाले नाना पाटेकर क्रिकेट के भारी शौकीन थे। विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। एक पुराने इंटरव्यू में नाना ने खुद बताया था कि कोहली के आउट होने के बाद उन्हें खाना खाने का मन नहीं करता। वह खाना छोड़ देते हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर नाना पाटेकर की क्रिकेट को लेकर दीवानगी किसी से छिपी नहीं थी। नाना ने जिस शिद्दत से विराट के लिए खाने छोड़ने की बात कही थी, तब उनकी आंखों में क्रिकेट के लिए झलकता प्यार देखते ही बनता था। विराट कोहली मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं।

मीम्स की दुनिया में वायरल होने लगते थे नाना उस इंटरव्यू के बाद विराट कोहली जब भी जल्दी आउट होते या रनों की बरसात करते तो इंटरनेट पर नाना की भूख से जोड़कर कई मजेदार मीम्स वायरल होने लगते। नाना ने क्रिकेट और सिनेमा की तुलना भी की थी। कहा था कि दोनों ही जगह परीक्षा होती है। क्रिकेटर्स की परीक्षा पांच दिन तक चलती है तो कलाकारों की डेढ़ से दो साल तक चल सकती है।

8 अक्टूबर को अचानक कहा दुनिया को कहा अलविदा आठ अक्टूबर की सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर नाना पाटेकर को मृत घोषित किया गया। डॉ। शेखर सालकर ने बताया कि लगातार 45 मिनट तक 'सीपीआर' दिए जाने के बावजूद वह होश में नहीं आए। वह गोवा की राजधानी पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए गए, जिसके बाद उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया।

फिटनेस बरकरार रखने का भरोसा

अश्विन ने कहा कि 36 वर्षीय भुवनेश्वर की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी परिस्थितियों में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अश्विन ने उम्मीद जताई कि भुवनेश्वर अपनी फिटनेस बरकरार रखेंगे क्योंकि अतीत में उन्हें चोटों से जुझना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर यह कहने का जोखिम उठा रहा हूँ कि अगर उन्होंने थोड़ी अधिक मेहनत की होती, समय सही रहा होता और वे उन चोटों से बच पाए होते तो उनके पास जो कौशल है उसके दम पर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी बन सकते थे।

पंजाब किंग्स को बड़ा झटका, कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने दिया इस्तीफा



नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच रिकी पॉटिंग के कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेम्स होप्स और ब्रैंड हैडिन अब पंजाब किंग्स के साथ नजर नहीं आएंगे। जेम्स होप्स को ऑस्ट्रेलियाई घरेलू टीम क्वींसलैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वह बिग बैश लीग की टीम ब्रिस्बेन हीट की कप्तान भी संभालेंगे। वहीं, ब्रैंड हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स के मुख्य कोच का पद संभाल लिया है और उन्हें भी BBL में भूमिका मिलने की संभावना जताई जा रही है। होप्स और हैडिन के जाने के अलावा पंजाब किंग्स पहले ही स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले की सेवाएं खो चुकी हैं। बहुतुले अब गीतम गंधीर की अगुआई वाली भारतीय पुरुष सीनियर टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। ऐसे में IPL 2027 से पहले PBKS को सपोर्ट स्टाफ में तीन अहम पदों के लिए नए चेहरों की तलाश करनी होगी। एक सूत्र के मुताबिक, 'मुख्य कोच ही सपोर्ट स्टाफ में रिलेसमेंट को लेकर फैसला करेंगे।' रिकी पॉटिंग की अगुआई में पंजाब किंग्स ने पिछले सीजन की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से की थी और टीम ने लंबे समय बाद आईपीएल फाइनल तक का सफर तय किया था।

दूसरे टी-20 से पहले भारत की ओपनिंग को लेकर दुविधा

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता, मैच आज

रांची, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को रांची में खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम की नजर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने पर है। हालांकि टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल सलामी जोड़ी को लेकर है, जहां संजू सैमसन और युवा वैभव सूर्यवंशी में से किसी एक को लेकर फैसला किया जा सकता है।

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता भारतीय टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाज इस समय अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन संजू सैमसन का बल्ला खामोश है। वह अपनी पिछली चार झट 20 पारियों में सिर्फ 29 रन बना पाए हैं और इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर महज 11 रन रहा है। उनकी असफलता के कारण भारत को पारी की शुरुआत में अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है, हालांकि मध्यक्रम ने इसकी भरपाई की है।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका ऐसे में टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका दे सकता है। 15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। उनके पास कई तरह के शॉट हैं और वह पावरप्ले में तेजी से रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

अल्काराज, सिनर और ओसाका समेत कई स्टार 1 प्वाइंट स्लैम में लेंगे हिस्सा

मेलबर्न: दुनिया के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अगले साल जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के 1 प्वाइंट स्लैम में हिस्सा लेंगे। इनमें कार्लोस अल्काराज, कोको गॉफ, नाओमी ओसाका और यानिक सिनर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। 1 प्वाइंट स्लैम में ये स्टार खिलाड़ी पेशेवर और एमेच्योर क्वालीफायर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करेंगे। इस अनोखे टूर्नामेंट में कुल 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि दांव पर होगी। ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने गुरुवार को अगले साल के टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही 1 प्वाइंट स्लैम के लिए क्वालीफायर प्रतियोगिताएं पूरे ऑस्ट्रेलिया में जारी हैं। इस प्रतियोगिता का सबसे खास नियम यह है कि खिलाड़ी केवल एक अंक के लिए मुकाबला करते हैं। यानी एक ही प्वाइंट पर मैच का नतीजा तय कर सकता है। 1 प्वाइंट स्लैम का फाइनल 13 जनवरी को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला जाएगा।



एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी: पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश की एंट्री

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले इस टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। पंजाब में करीब दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। हाल ही में जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम की नजरें एशियाई स्तर पर अपना दबदबा कायम रखने पर होंगी। हॉकी इंडिया के अनुसार, छह टीमों वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। बांग्लादेश और ओमान को पहले रिजर्व टीमों में रखा गया था। पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते समय पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की बात कही थी।